NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 284 लखनऊ, बुधवार 29 मई 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

एनआईए की कई राज्यों में छापेमारी, मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी के आरोप में 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कथित तौर पर मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में कई स्थानों पर एनआईए और राज्य पुलिस बलों द्वारा संयुक्त रूप से की गई व्यापक तलाशी के बाद सोमवार को गिरफ्तारियां हुईं। एनआईए जांच से पता चला है कि आरोपी एक संगठित तस्करी सिंडिकेट में शामिल थे, जो कानूनी रोजगार के झूठे वादे पर भारतीय युवाओं को लुभाने और विदेशों में तस्करी करने में लगे हुए थे एक अधिकारी ने कहा, ष्राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को जबरन साइबर अपराध से जुड़े मानव तस्करी के एक मामले में स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कई स्थानों पर तलाशी ली, जिसके कारण पांच आरोपी व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई। आरोपियों की पहचान वडोदरा के मनीष हिंगू, गोपालगंज के प्रह्लाद सिंह, दक्षिण पश्चिम दिल्ली के नबियालम रे, गुरुग्राम के बलवंत कटारिया और चंडीगढ़ के सरताज सिंह के रूप में हुई। एनआईए के बयान के अनुसार, एजेंसी ने सभी स्थानों पर राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ एक समन्वित अभियान चलाया। तलाशी में दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, हस्तलिखित रजिस्टर, कई पासपोर्ट, फर्जी विदेशी रोजगार पत्र आदि सहित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। साथ ही, विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों द्वारा 8 नई एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुख्य रूप से विदेशी नागरिकों द्वारा नियंत्रित और संचालित रैकेट के हिस्से के रूप में युवाओं को लाओस, गोल्डन ट्रायंगल एसईजेड और कंबोडिया सहित अन्य स्थानों में फर्जी कॉल सेंटरों में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। विज्ञप्ति में कहा गया है, उन्हें ऑनलाइन

(शेष पेज 7 पर)

बांदा में भीषण सड़क हादसा ट्रक में घुसा आटो, तीन की मौत, छह लोगों की हालत गंभीर

बांदा 28 मई (एजेन्सी)। ट्रक चालक के अचानक ब्रेक लगा देने से पीछे आ रहा ऑटो घुस गया। उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। छह गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। मध्य प्रदेश के धर्मपुर थाना क्षेत्र के अमरछी गांव निवासी एक ही परिवार के मुन्नू बीबी (70), शमीना (35), मुबस्सर (10), सिफा (14), नफीसा (48), मुनूस (55), हाजरा (45), गौस मोहम्मद (42), नूर बीबी (60) आदि सीएनजी ऑटो से नरैनी कोतवाली क्षेत्र के कबौली गांव में एक निमंत्रण में जा रहे थे। यूपी के बांदा जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ। दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि छह लोग घायल हो गए। ऑटो के आगे लकड़ी से भरा ओवरलोड ट्रक जा रहा था। कोतवाली क्षेत्र के जमवारा गांव के पास ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी। पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ऑटो ट्रक में घुस गया। ऑटो में सवार सभी लोग गाड़ी में फंसकर गंभीर घायल हो गए। घटना स्थल पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश सैनी, कस्बा इंचार्ज अनिल सिंह ने पहुंचकर सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर दिनेश वर्मा ने मुन्नू बीबी व हाजरा को मृत घोषित कर दिया। शेष सभी घायलों को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। गंभीर घायल नूर बीबी को कानपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

थाने में महिला इंस्पेक्टर रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार, दुष्कर्म पीड़िता से लिए थे 50 हजार रुपये

बरेली 28 मई (एजेन्सी)। बदायूं में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मंगलवार दोपहर इस्लामनगर थाने में महिला इंस्पेक्टर सिमरनजीत कौर को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर ने दुष्कर्म के आरोपियों पर कार्रवाई के एवज में पीड़ित महिला से 50 हजार रुपये लिए थे। एंटी करप्शन टीम आरोपी इंस्पेक्टर को पकड़कर अपने साथ ले गई। बताया जा रहा है कि उघैती थाना क्षेत्र की महिला ने रुदायन निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। उसकी विवेचना महिला इंस्पेक्टर सिमरनजीत कौर कर रही थी। आरोप है कि वह पीड़ित महिला से कार्रवाई से नाम पर 50 हजार रुपये मांग रही थी पीड़ित महिला ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो में कर दी। मंगलवार दोपहर पीड़ित महिला इस्लामनगर थाने पहुंची और उसने जैसे ही इंस्पेक्टर को रुपये दिए, तभी पहले से वहां मौजूद एंटी करप्शन की ट्रैप टीम आ गई और महिला इंस्पेक्टर को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया।

गर्मी से झुलसा प्रदेश, 48 के पार पहुंचा पारा, ये जिले रेड अलर्ट में, गर्मी और लू से 6 की मौत

लखनऊ 28 मई (ल0का0)। नौतपा के तीसरे दिन मई के महीने में प्रदेश में झांसी सबसे गर्म रहा, यहां का पारा 48.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां इतना पारा 132 साल पहले दर्ज किया गया था। वहीं, आगरा में गर्मी ने पिछले 26 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां का पारा सोमवार को 47.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो प्रदेश में दूसरा सबसे गर्म शहर था। इससे पहले 27 मई 1998 में आगरा का अधिकतम तापमान 48.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था। यूपी में झांसी सबसे गर्म रहा, यहां का पारा 48.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां इतना पारा 132 साल पहले दर्ज किया गया था। आगरा ने 26 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 47 डिग्री के साथ मथुरा–वृंदावन व एटा दूसरे स्थान पर रहे। एटा में पीआरडी जवान बेहोश होकर गिरा जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। कासगंज में 45. 6 डिग्री, फिरोजाबाद में 45 व मैनपुरी का अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री रहा। तपते बुदेलखंड में भीषण गर्मी की चपेट में आकर छह लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन चित्रकूट, दो महोबा और एक–एक हमीरपुर ललितपुर व आसपास के इलाके में भीषण लू चलने के आसार और औरैया के हैं। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के पार हो गया। हरदोई, लखीमपुर खीरी, वाराणसी बहराइच, प्रयागराज और लखनऊ में न्यूनतम तापमान 30.4 डिग्री से 31.8 डिग्री के बीच रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 29 मई तक फिलहाल मौसम में कोई बदलाव नहीं होगा, 30 मई से तापमान में बदलाव शुरू होगा। यहां रेड अलर्ट रू गाजियाबाद, गौतमबद्धनगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, झांसी,

(शेष पेज 7 पर)

झारखंड को हर तरह से लूट रहे जेएमएम और कांग्रेस, पीएम मोदी बोले- चार जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ तेज की जाएगी कार्रवाई

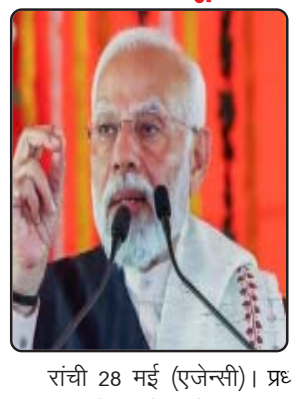

रांची 28 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के दुमका में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के चौबीसों घंटे लूट में लगे रहने के कारण 2014 से पहले घोटाले आम थे लेकिन मोदी ने इसे रोका। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में पिछले 10 साल के मुकाबले और विकास कार्य देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि झामुमो–कांग्रेस की लगातार लूट के कारण झारखंड को अब 'नकदी के पहाड़ों' के लिए जाना जाता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि देश में चार जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने कहा कि श्रडड, कांग्रेस और त्श्रक खुलेआम, बेशर्मी के साथ धमकी दे रहे हैं। वो कह रहे हैं कि मोदी को हटाना है, ताकि उनको फिर से घोटाले करने का मौका मिल सके। श्रडड और कांग्रेस झारखंड को हर तरह से लूट रहे हैं। यहां इतने खूबसूरत पहाड़ है, लेकिन झारखंड की चर्चा नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने जमीनें हड़पने के लिए अपने माता–पिता का नाम बदल दिया। अब गरीबों और आदिवासियों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। इन लोगों ने तो सेना की जमीन को भी लूट लिया। आपको झारखंड को इन लोगों से मुक्ति दिलानी ही होगी।

मोदी ने कहा कि भाजपा दलित, वंचित और आदिवासियों के लिए समर्पित है, समर्पण और सेवा भाव से काम करती है। हमने आदिवासी कल्याण के लिए 4 गुणा से ज्यादा बजट बढ़ाया। हम जनजातीय इलाके में 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय बना रहे हैं। आदिवासी इलाकों में खनिज का पैसा आपके बच्चों के लिए खर्च हो, हमने इसके लिए कानून बनाया। हमारी सरकार भगवान बिरसा

(शेष पेज 7 पर)

कांग्रेस और सपा जुड़कर एक और एक ग्यारह हो गए, अखिलेश यादव बोले- डबल इंजन सरकार का निकल रहा धुंआ

देवरिया 28 मई (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के देवरिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जुड़कर एक और एक ग्यारह हो गए हैं। इनकी डबल इंजन सरकार का देवरिया आते–आते धुंआ निकल जाता है। उन्होंने कहा कि जहां ठश्रच सरकार में किसानों की आय दोगुनी करने का झूठा सपना दिखाया गया, वहीं नौजवानों के परीक्षा पेपर लीक हो गए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सातवें चरण का चुनाव है और जनता का गुस्सा भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है। जिन लोगों ने झूठी बातें और झूठे वादे किए हैं वो आज जनता के सामने डगमगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन और समाजवादी पार्टी ने तय किया है ना केवल सरकारी नौकरियां दी जाएगी, आरक्षण के तहत आपको हक और सम्मान मिलेगा, अग्निवीर व्यवस्था हमेशा हमेशा के लिए खत्म की जाएगी। 4 जून बाद के सरकार बनेगी तो राशन की मात्रा बढ़ेगी, गुणवत्ता बढ़ेगी, राशन के साथ साथ आटा और डाटा देने का काम होगा।

अखिलेश ने कहा कि ये चुनाव हमारा आपका तो है ही, ये भविष्य की पीढ़ी का चुनाव है और ये चुनाव संविधान बचाने का चुनाव है। ये संविधान हमारी

(शेष पेज 7 पर)

कांग्रेस का चरित्र राम विरोधी, सीएम योगी की हुंकार, बोले- दिल्ली के सिंहासन पर राम भक्त ही करेगा राज

गोरखपुर 28 मई (एजेन्सी)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर एक और तीखा हमला बोला। गोरखपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर राम विरोधी रुख रखने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने दिवंगत वीर बहादुर सिंह को भगवान राम के प्रति उनकी भक्ति के कारण मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। उन्होंने कांग्रेस का चरित्र राम विरोधी है। कांग्रेस ने दिवंगत वीर बहादुर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया क्योंकि वीर बहादुर सिंह राम भक्त थे। आज भी कांग्रेस कह रही है कि राम मंदिर नहीं बनना चाहिए था। ये चुनाव राम भक्तों और राम गद्दारों के बीच है। आगे बोलते हुए, उत्तर प्रदेश के

(शेष पेज 7 पर)

अमित शाह का बड़ा वार, बोले- पाकिस्तान से डरती है कांग्रेस, पीओके पर नहीं कर सकती बात

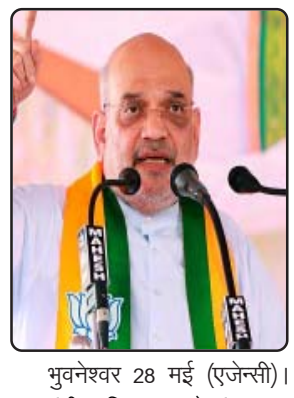

भुवनेश्वर 28 मई (एजेन्सी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के बारे में बात करने से बचती है क्योंकि वे (पार्टी नेता) पाकिस्तान से डरते हैं। ओडिशा के जाजपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी कहती है कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। पीओके के बारे में मत बोलो। नवीन बाबू (ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक), राहुल बाबा (कांग्रेस नेता राहुल गांधी), मेरी बात सुनो क्योंकि मैं महाप्रभु की भूमि से यह कह रहा हूं– पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का है, रहेगा और हम उसको लेकर रहेंगे। शाह ने कहा कि 6 चरणों के मतदान समाप्त हो चुके हैं, मेरे पास पांच चरणों तक की रिपोर्ट है। इन पांच चरणों के मतदान में श्री नरेन्द्र मोदी जी 310 सीटें जीत चुके हैं। छठे–सातवें में 400 पार कराना है, इसके साथ–साथ ओडिशा में भी भाजपा सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि 4 जून को नजीते आएंगे और नवीन बाबू, मुख्यमंत्री से पूर्व मुख्यमंत्री बन जाएंगे। ओडिशा का नया मुख्यमंत्री ओडिया बोलने वाला होगा, युवा होगा, भगवान जगन्नाथ का भक्त होगा। 25 साल के बाद ओडिशा को ओडिया बोलने–लिखने वाला मुख्यमंत्री मिलने वाला है।

उन्होंने कहा कि ओडिशा में हमें 75 सीटों का आशीर्वाद दें और यहां डबल इंजन सरकार सुनिश्चित करें। ओडिशा में बीजेपी शानदार जीत दर्ज करेगी। 4 जून आएगा और नवीन बाबू अब सीएम नहीं रहेंगे, बल्कि एक्स सीएम बन जाएंगे। उन्होंने कहा

(शेष पेज 7 पर)

भारी बारिश के कारण पूर्वोत्तर में बिगड़े हालात असम में बह गई रोड, अरुणाचल में रेड अलर्ट

कोलकाता 28 मई (एजेन्सी)। चक्रवात रेमल के कारण पश्चिम बंगाल समेत पूर्वोत्तर के लगभग सभी राज्य प्रभावित हुए हैं। भारी बारिश के कारण इन राज्यों के कई इलाकों में जलभराव हो गया। नदियों का पानी बढ़ने से सड़कें बह गईं, जिससे सामान्य जनजीवन काफी ज्यादा प्रभावित हो रहा है। कई इलाकों में भूस्खलन के कारण इमारतें ढह गईं। पश्चिम बंगाल में चक्रवात रेमल के प्रभाव से 2,140 से अधिक पेड़ उखड़ गए और लगभग 1,700 बिजली के खंभे भी गिर गए। भारी बारिश के कारण असम के दीमा हसाओ जिले में हफलॉन्ग–सिलचर को जोड़ने वाली रोड बह गई। फिलहाल एक जून के लिए हाफलोंग–सिलचर कनेक्टिंग रोड को बंद कर दिया गया है। तूफान रेमल के प्रभाव से अबतक राज्य में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि, 17 अन्य घायल हैं। मोरीगांव जिले में एक पेड़ गिरने से 17 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली में तूफान के कारण स्कूल बस पर एक पेड़ गिरने से 12 बच्चे घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडु ने मंगलवार को राज्य के लोगों से सभी एहतियाती कदम उठाने और तूफान से प्रभावित क्षेत्रों से बचने का अनुरोध किया। मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार को कुरुंग कुमेय, निचला सुबनसिरी, शि–योमी, पश्चिम सियांग, लोहित, चांगलांग, तिरप

(शेष पेज 7 पर)

मोदी को पीएम क्यों कहा जाना चाहिए, बीजेपी के प्रचार विज्ञापनों को लेकर ममता ने उठाए सवाल

कोलकाता 28 मई (एजेन्सी)। 1 जून को होने वाली विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन ब्लॉक के नेताओं की बैठक की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है क्योंकि सभी सहयोगियों की उपस्थिति पर संदेह बना हुआ है। मामले से वाकिफ लोगों के मुताबिक, अपने सहयोगियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित बैठक ऑनलाइन भी हो सकती है। कांग्रेस के एक शीर्ष नेता ने मंगलवार को एचटी को बताया कि गठबंधन के भीतर एक महत्वपूर्ण वर्ग अब चाहता है कि तारीख बदल दी जाए, क्योंकि ब्लॉक की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने घोषणा की है कि वह आने में

(शेष पेज 7 पर)

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 63.37 प्रतिशत मतदान चुनाव आयोग ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में हुए मतदान के आखिरी आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, छठे चरण में कुल मिलाकर 63.37: मतदान दर्ज किया गया। इसमें 61.95 फीसदी पुरुष, 64.95 फीसदी महिला और 18.67 फीसदी थर्ड जेंडर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। भारत के चुनाव आयोग ने मंगलवार को बताया कि मौजूदा लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 63.37 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें 11.13 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 7.05 करोड़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकसभा चुनाव के पहले छह चरणों में 87.54 करोड़ मतदाताओं में से 57.77 करोड़ मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचे हैं। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा मतदाता वर्ग 96.88 करोड़ है। चुनाव आयोग (ईसी) के अनुसार, 20 मई को हुए पांचवें चरण के मतदान में 62.2 प्रतिशत वोटिंग हुई। चौथे चरण में मतदान 69. 16 प्रतिशत रहा, जो 2019 के आम चुनाव में इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत अधिक है। तीसरे चरण में मतदान का आंकड़ा 65.68 फीसदी रहा। 2019 चुनाव के तीसरे चरण में

(शेष पेज 7 पर)

बेबी केयर सेंटर अग्निकांड पर एलजी सख्त, एसीबी जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से नवजात शिशुओं की मौत के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल ने नर्सिंग होम के पंजीकरण की एसीबी जांच के आदेश दिए है। राज निवास के अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि नवजात शिशु अस्पताल में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी में निजी नर्सिंग होम के पंजीकरण और नियामक प्रबंधन की व्यापक एसीबी जांच का आदेश दिया है। मुख्य सचिव को लिखे अपने नोट में सक्सेना ने कहा कि मैंने इस मामले में बहुत सख्त रुख अपनाया है। हालांकि यह एक स्थानांतरित विषय है, व्यापक जनहित में गंभीरता की कमी के कारण मुझे इसमें कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अधिकारियों का एक हिस्सा जिसे ये जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। दुखद आग और नर्सिंग होम से संबंधित मामले में एसीबी को शहर में नर्सिंग होम के पंजीकरण की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह आकलन किया जा सके कि कितने नर्सिंग होम बिना वैध पंजीकरण के चल रहे हैं और क्या जिनके पास वैध पंजीकरण

(शेष पेज 7 पर)

काल बनकर आया मंगलवार...एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, तबाही का मंजर भी दिखा

नैनीताल 28 मई (एजेन्सी)। अल्मोड़ा के पास स्याल्दे में एक कार 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में डॉक्टर पति, स्टाफ नर्स पत्नी, आठ साल की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 साल का बेटा घायल हो गया। पिथौरागढ़ में मंगलवार सुबह 6:43 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप के झटके आने से लोग डर गए। लोग घबराकर अपने–अपने घरों से बाहर निकल आए। काशीपुर में इसी साल फरवरी में बहन के साथ ट्यूशन पढ़ने जा रही युवती पर धारदार हथियार से हमला करने वाले आरोपियों का जमानत मिलने पर परिजनों और परिचितों ने आतिशबाजी और ढोल बजाकर स्वागत किया। किच्छा के सूरजमल विवि में छात्रों के दो गुटों में उपजे विवाद के बाद एक गुट ने पंतनगर क्षेत्र में छात्र–छात्राओं को ले जा रही बस पर पथराव कर दिया।

30 मई को चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद कन्याकुमारी जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को लोकसभा चुनाव प्रचार के समाप्त होने के बाद कन्याकुमारी का दौरा करेंगे। यहां वे स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाए गए स्मारक रॉक मेमोरियल में ध्यान लगाएंगे। भाजपा नेताओं ने मंगलवार को बताया कि वह 30 मई की शाम से 1 जून की शाम तक ध्यान मंडपम में ध्यान करेंगे। माना जाता है कि यहां विवेकानंद को श्भारत माताश के बारे में दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई थी। प्रधानमंत्री ने 2019 के चुनाव अभियान के बाद केदारनाथ गुफा में इसी तरह का ध्यान लगाया था। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि अपने आध्यात्मिक प्रवास के लिए

(शेष पेज 7 पर)

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 29 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

4 जून के बाद विदेश में छुट्टियां मनाएंगे राहुल, गीत जाते नजर आएंगे अखिलेश यादव, गिरिराज सिंह का तंज

लखनऊ 28 मई (सं0) केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी शायद विदेश में छुट्टियां मनाने जाएंगे। वहीं, 4 जून को लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद भी अखिलेश यादव गाते नजर आएंगे। सोमवार को वाराणसी में सिंह ने कहा, छठे चरण में हम 400 का आंकड़ा छूने वाले हैं और सातवें चरण में हम 400 का आंकड़ा पार करने वाले हैं और उस दिन अखिलेश यादव गाने गाएंगे और राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं पर जाएंगे क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। यह देश मजबूर सरकार नहीं, मजबूत सरकार चाहता है।" सोमवार को वाराणसी में गिरिराज सिंह ने कहा कि छठे चरण में हम 400 का आंकड़ा छूने वाले हैं और सातवें चरण में हम 400 का आंकड़ा पार करने वाले हैं और उस दिन अखिलेश यादव गाने गाएंगे और राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं पर जाएंगे क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। यह देश मजबूर सरकार नहीं, मजबूत सरकार चाहता है। पीएम के कार्यकाल के दौरान वाराणसी में किए गए विकास कार्यों के बारे में बात करते हुए सिंह ने कहा, "वाराणसी काशी की भूमि है और जो भी यहां आता है वह बाबा विश्वनाथ के आदेश पर ही आता है। पीएम मोदी यहां से चुनाव लड़ रहे हैं...सिर्फ विकास को तवज्जो दी गई है। पीएम मोदी द्वारा किए गए विकास की चर्चा हो रही है...।ष उन्होंने कहा कि लोग उत्साहित हैं।

सिर्फ विकास को महत्व दिया गया है। पीएम मोदी द्वारा किये गये विकास की चर्चा हो रही है। वाराणसी भाजपा और प्रधान मंत्री मोदी के लिए एक गढ़ के रूप में खड़ा है, जो इसे आगामी लोकसभा चुनावों में प्रत्याशा का केंद्र बिंदु बनाता है। पीएम मोदी ने 2014 और 2019 दोनों आम चुनावों में निर्वाचन क्षेत्र में महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ अजय राय को अपना उम्मीदवार बनाया है, जो संयुक्त विपक्षी भारत गुट का प्रतिनिधित्व करते हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय इससे पहले 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान वाराणसी में पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं और दोनों बार तीसरे स्थान पर रहे थे। यह तीसरी बार है जब राय लोकसभा चुनाव में मोदी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

अग्निवीर योजना को लेकर राहुल के बयान पर भड़के केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, बोले- उन्हें पहले सेना की सेवा करनी चाहिए

लखनऊ 28 मई (सं0)। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर अग्निवीर योजना को रद्द करने की उनकी हालिया टिप्पणी के लिए तीखा हमला बोला। राहुल गांधी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि अग्निवीर योजना ने सैनिकों को महज मजदूर बना दिया है, जनरल सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा, ष्मैं राहुल गांधी को सलाह देना चाहता हूं कि उन्हें पहले सेना में काम करना चाहिए और फिर अग्निवीर योजना के बारे में कोई बयान देना चाहिए। अगर वह सेना को नहीं जानते तो कुछ भी कहना ठीक नहीं है। राहुल गांधी ने केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भारत के सैनिकों को मजदूरों में बदलने का आरोप लगाया था और 4 जून को सत्ता में आने के बाद अग्निवीर योजना को खत्म करने का वादा किया था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आदतन झूठे हैं। उन्होंने कहा, ष्यह अरविंद केजरीवाल की खूबी है कि वह इस तरह झूठ बोलते हैं जैसे सच बोल रहे हों। लेकिन लोग सच देख सकते हैं।ष इससे पहले राहुल गांधी ने केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भारत के सैनिकों को मजदूरों में बदलने का आरोप लगाया था और 4 जून को सत्ता में आने के बाद अग्निवीर योजना को खत्म करने का वादा किया था। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि हरियाणा और अन्य राज्यों के युवा भारत की सीमाओं की रक्षा करते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') सत्ता में आएगा तो सेना में अल्पकालिक भर्ती की अग्निपथ योजना को रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा ''जब 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनेगी तो अग्निपथ योजना को रद्द कर दिया जाएगा।'' राहुल बार–बार कह रहे हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी और उनके कार्यालय ने अग्निवीर योजना देश पर थोप दी है। वह चाहते हैं कि जवानों की पेंशन और कैंटीन सुविधाओं में लगने वाला पैसा रक्षा अनुबंधों के रूप में अडानी के पास जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना पर झूठा प्रचार कर रहे हैं। शाह ने कहा कि 25 प्रतिशत अग्निवीरों को सेना में स्थायी नियुक्ति मिलेगी, जबकि शेष 75 प्रतिशत को राज्य सरकार और अर्धसैनिक बलों में आरक्षण दिया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा, इसलिए, कोई विरला अग्निवीर होगा जिसे नियोजित नहीं किया जाएगा। शाह ने कहा कि गांधी अग्निवीर पर गलत प्रचार कर रहे हैं और झूठ बोलकर मुद्दा बना रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा, "राहुल ने झूठ को चुनावी मुद्दा बनाने की परंपरा शुरू की है और अग्निवीर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।"

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव का दावा, नरेंद्र मोदी की विदाई तय, इंडिया गठबंधन के पक्ष में पूरा लहर है

लखनऊ 28 मई (सं0)। राजद राज्य की राजधानी के आसपास के ग्रामीण इलाकों को कवर करने वाले बिहार के पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र पर इस बार जीत दर्ज करते की कोशिश कर रहा है। यह निर्वाचन क्षेत्र 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया और एक साल बाद लोकसभा चुनाव में, राजद के संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद ने खुद मैदान में उतरने का फैसला किया, लेकिन उन्हें अपने पूर्व करीबी सहयोगी रंजन यादव के हाथों चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। 2024 और 2019 में लालू यादव ने इस सीट से अपनी सबसे बड़ी बेटी मीसा भारती को उम्मीदवार बनाया। हालांकि, वह दोनों बार कभी लालू के बेहद करीबी रहे राम कृपाल यादव से हार गईं।आज लालू यादव पहली बार क्षेत्र में निकले भी थे। लालू ने दावा किया कि हमें जल्द ही नतीजे पता चल जायेंगे। पीएम मोदी तो अब चले गए। पीएम मोदी कह रहे हैं कि वह जैविक नहीं, श्अवतारश हैं...4 जून को हमारी सरकार बनेगी। इस बार लालू ने यहां से मीसा भारती को उम्मीदवार बनाया है। आज लालू यादव पहली बार क्षेत्र में निकले भी थे। लालू ने दावा किया कि हमें जल्द ही नतीजे पता चल जायेंगे। पीएम मोदी तो अब चले गए। पीएम मोदी कह रहे हैं कि वह जैविक नहीं, श्अवतारश हैं... 4 जून को हमारी सरकार बनेगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मोदी गए अब... हम तो बिहार की 40 की 40 सीटें जीतेंगे। इस बार नरेंद्र मोदी की विदाई तय है। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन के पक्ष में पूरा लहर है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद)नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए ''एक और मुख्यमंत्री कार्यकाल'' की कामना करना राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)की ''निश्चित हार'' को इंगित करता है। तेजस्वी, नीतीश कुमार की एक चुनावी सभा के दौरान जुबान फिसलने और यह कहने कि वे चाहते हैं कि एक बार फिर नरेन्द्र मोदी जी मुख्यमंत्री बनें का संदर्भ दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ''कभी ना कभी तो अंदर की बात सामने आ ही जाती है। मोदी फिर से प्रधानमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं।'' बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पटना साहिब संसदीय क्षेत्र के बख्तियारपुर, पाटलिपुत्र के पालीगंज और आरा के जगदीशपुर में महागठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी रैलियों को संबोधित किया।

दिग्गजों की लड़ाई भी नहीं रिझा पाई वोटरों को, अयोध्या मंडल में वोटिंग के मामले में अमेठी फिसड्डी

लखनऊ 28 मई (सं0)। अमेठी और सुल्तानपुर में दिग्गजों का दंगल भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर सका है। अमेठी से स्मृति ईरानी तो सुल्तानपुर से मेनका गांधी भाजपा की प्रत्याशी रहीं। मंडल की जिन दो सीटों पर देश के नामचीन नेता ताल ठोक रहे थे उस अमेठी और सुल्तानपुर में मतदाताओं ने वोटिंग में खास रुचि नहीं दिखाई। नतीजा यह रहा कि अमेठी मंडल में जहां सबसे फिसड्डी रहा वहीं सुल्तानपुर भी चौथे नंबर पर रहा। कम मतदान के पीछे जहां राजनीतिक दलों की रणनीतिक कमजोरी मानी जा रही है तो वहीं प्रशासन की ओर से चलाए कार्यक्रम भी विफल नजर आए। अयोध्या मंडल में पूर्ण रूप से कुल पांच संसदीय सीटें हैं। फैजाबाद, बाराबंकी, अयोध्या, अमेठी और सुल्तानपुर। इसमें से अमेठी सीट पूरे देश में चर्चा का विषय रही। क्योंकि यहां से कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा मैदान में थे तो उनकी टक्कर केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी से थी। इस सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही अपनी पुरजोर ताकत लगाई थी। किंतु मतदाताओं को यह मुकाबला शायद रास नहीं आया। इसलिए वोट देने के लिए पूरे मंडल में सबसे कम मतदाता निकले और मतदान का प्रतिशत केवल 54.34 फीसदी ही रह गया। मंडल की दूसरी सबसे चर्चित सीट सुल्तानपुर थी, जहां देश की सबसे अनुभवी मौजूदा लोकसभा सदस्य मेनका गांधी चुनाव मैदान में उतरी थीं। भाजपा ने जिस तरह से उनके बेटे वरुण गांधी का टिकट काटा था, उसे देखते हुए भी इस सीट पर पूरे देश की नजरें टिकी थीं। उनके मुकाबले भले ही कोई भारी भरकम चेहरा मैदान में नहीं था, किंतु माना जा रहा था कि मेनका के लिए यहां भारी मतदान हो सकता है। किंतु इस सीट पर पर भी मतदाताओं ने अरुचि दिखाई और कुल 55.5 फीसदी मतदाताओं ने ही यहां वोट डाले। इस तरह यह सीट मतदान में अमेठी से भले ही आगे रही, लेकिन फैजाबाद, बाराबंकी और अंबेडकरनगर के मुकाबले बेहद पीछे रह गई। अमेठी और सुल्तानपुर में जिस तरह से मतदान कम हुआ है। इसे चुनाव आयोग की ओर से चलाए गए जागरूकता कार्यक्रमों की भी विफलता माना जा रहा है। आयोग की ओर से कार्यक्रम तो बहुतेरे कराए गए, लेकिन वे जनता को जोड़ने में सफल नहीं हो पाए। सुल्तानपुर के उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव शुक्ला कहते हैं कि गर्मी ज्यादा होने का असर भी पड़ा है। स्वीप के तहत जनता को जोड़ने के लिए बहुत प्रयास किए गए थे।

नीतीश कुमार फिर मारेंगे पलटी? तेजस्वी के नए बयान से खलबली, बोले– 4 जून के बाद बड़ा फैसला ले सकते हैं चाचा

लखनऊ 28 मई (सं0)। लोकसभा चुनाव को लेकर हलचल लगातार जारी है। बिहार में भी आखिरी चरण में चुनाव होने हैं। इन सब के बीच पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नीतीश चाचा पिछड़ों की राजनीति और पार्टी बचाने के लिए कोई भी बड़ा फैसला 4 जून के बाद ले सकते हैं। तेजस्वी के इस बयान से बिहार की राजनीति में खलबली मच गई है। हालांकि, नीतीश कुमार लगातार यह कह रहे हैं कि अब वह इधर–उधर कहीं नहीं जाएंगे। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नीतीश चाचा पिछड़ों की राजनीति और पार्टी बचाने के लिए कोई भी बड़ा फैसला 4 जून के बाद ले सकते हैं। तेजस्वी के इस बयान से बिहार की राजनीति में खलबली मच गई है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार की प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक और ष्सीएम कार्यकालष की कामना करने से एनडीए खेमे में ष्आसन्न हार की भावनाष दिखाई देती है। यादव रविवार को पाटलिपुत्र लोकसभा सीट पर एक चुनावी रैली में जद (यू) सुप्रीमो की गलती का जिक्र कर रहे थे, जब उन्होंने पीएम मोदी, जो पीएम बनने से पहले गुजरात की कमान संभाल रहे थे, को फिर एक बार मुख्यमंत्री बनने की कामना की थी। मंच पर मौजूद अन्य नेताओं को गलती का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपना बयान सुधारा। यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मंच साझा करते हुए जगदीशपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा दिल की बात जुबान पे आ जाती है। सीएम ने जो कहा वह सही है. ..मोदी जी दोबारा पीएम नहीं बनने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि हमारे आदरणीय चाचा जी (नीतीश) दिल से चाहते हैं कि बीजेपी को केंद्र की सत्ता से हटाया जाए ताकि बिहार बिना किसी पक्षपात के विकास करे। हम उनके अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। नीतीश जी पहले कहते थे कि जो चौदह (2014) में आए हैं, वे चौबीस (2024) में जाएंगे। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए पूरी तरह से हार जाएगी।

ससुर के बोए कांटे बहू की राह में बन रहे शूल... सपा ने यहां भाजपा के पूर्व सांसद पर खेला दांव मुकाबला रोचक

लखनऊ 28 मई (सं0)। पिछले दो चुनावों में रॉबर्ट्सगंज (सुरक्षित) सीट पर आसानी से जीत दर्ज करने वाले राजग की प्रत्याशी रिंकी कोल (अपना दल–एस) को इस बार कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा रहा है। इसके पीछे दो प्रमुख वजहें हैं। एक तो यह कि मिर्जापुर की तर्ज पर सपा ने इस सीट पर भी भाजपा के पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार जैसे कद्दावर प्रत्याशी को उतारकर कड़ी चुनौती पेश की है। छोटेलाल ने 2014 में इसी सीट से भगवा परचम फहराया था। दूसरी चुनौती रिंकी के ससुर और अपना दल (एस) के मौजूदा सांसद पकौड़ी लाल के उन बयानों से मिल रही है, जो उन्होंने पिछले दिनों सवर्णों के खिलाफ दिए थे। यानी ससुर के बोए कांटे बहू की राह में शूल बनते दिख रहे हैं। बसपा ने भी धनेश्वर गौतम को मैदान उतारकर सबसे अधिक मुश्किलें रिंकी कोल के लिए पैदा की हैं।

बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और झारखंड की सीमा से सटे सोनभद्र जिले को बालू और पत्थरों की खदानों और अन्य खनिज भंडारों के चलते सोनांचल कहा जाता है। वहीं, पावर हब होने के कारण इस जिले को देश की ऊर्जा राजधानी भी कहते हैं। इसके बावजूद हर चुनाव में बड़ा मुद्दा जिले का विकास ही रहता है। विस्थापन, पुनर्वास, पलायन, रोजगार और पिछड़ेपन को लेकर भी खूब सवाल उठते हैं। पर, चुनावी रथ आगे बढ़ते ही इन सबकी गूंज मंद पड़ चुकी है। कड़वा सच तो यह है कि जब चुनाव जातीय समीकरणों पर हो रहे हों, तो मुद्दे गौण हो जाते हैं। रॉबर्ट्सगंज सीट 2019 से राजग में शामिल अपना दल (एस) के खाते में है। चुनाव अंतिम दौर में पहुंचते–पहुंचते मुख्य मुकाबला अपना दल (एस) और सपा के बीच सिमट गया है। बहरहाल छोटेलाल खरवार के मैदान में उतरने से इस बार स्थानीय बनाम बाहरी प्रत्याशी का मुद्दा भी उछाला जा रहा है।

रॉबर्ट्सगंज सदर विधानसभा क्षेत्र के नई बाजार के रहने वाले राम सजीवन सुशवाहा कहते हैं, रिंकी कोल से मिलने के लिए मिर्जापुर जाना होगा, जबकि छोटे लाल स्थानीय हैं। वहीं, जीऊत खरवार छोटेलाल को सजातीय होने के साथ ही जनता के बीच रहने वाला नेता बताते हैं। अमर उजाला की टीम पन्नूगंज बाजार पहुंची तो यहां चाय की दुकान पर चुनावी चर्चा चल रही थी। टीम भी उसमें शामिल हो गई। सांसद की ही बिरादरी के भुलेटन कोल कहते हैं, पांच साल हो गए लेकिन आज तक उनको (सांसद) नहीं देखा। बात को बढ़ाते हुए राम दुलारे मौर्य कहते हैं, हमारे गांव तो वे सिर्फ वोट मांगने आए थे, इसके बाद उनके दर्शन नहीं हुए। गांव की सड़क के लिए कई बार उनसे मिलने गए, लेकिन मुलाकात नहीं हुई। सवर्णों के बारे में रिंकी कोल के ससुर की आपत्तिजनक टिप्पणी वाले ऑडियो को भी विपक्ष हमले के लिए हथियार बना रहा है। घोरावल बाजार में मिले प्रभु दयाल चुनावी माहौल के सवाल पर पकौड़ी लाल कोल का ऑडियो सुनाने लगते हैं। वह कहते हैं, अब यह सब सुनने के बाद भी हम कैसे सांसद के परिवार के बारे में सोचें। पास में बैठे चतुरी तिवारी भी प्रभु दयाल की बातों का समर्थन करते हैं।

रवि किशन का दावा– लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद समाप्त हो जाएगा आधा दर्जन विपक्षी दलों का अस्तित्व

लखनऊ 28 मई (सं0)। रवि किशन ने कहा कि मैं हमेशा भोजपुरी बोलता हूं...मेरे भाषण भोजपुरी में होते हैं। यह हमारी मातृभाषा है, हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी ने मुझे सुपरस्टार बना दिया। अभिनेता–राजनेता और गोरखपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रवि किशन ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद आधा दर्जन विपक्षी दलों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और उनके उम्मीदवार की जमानत जब्त हो जाएगी। भोजपुरी सुपरस्टार रवींद्र शुक्ला, जिन्हें रवि किशन के नाम से जाना जाता है, ने दावा किया कि अगर विपक्षी दल भारत सत्ता में आता है, तो वह देश को शरीयत के आधार पर चलाएगा। इसके साथ ही उन्होंने भोजपुरी भाषा को लेकर बड़ा दावा किया है। रवि किशन ने कहा कि मैं हमेशा भोजपुरी बोलता हूं...मेरे भाषण भोजपुरी में होते हैं। यह हमारी मातृभाषा है, हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी ने मुझे सुपरस्टार बना दिया। हमने भोजपुरी के लिए लड़ाई लड़ी और भाषा को (संविधान की) 8वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए एक विधेयक लाया गया। युवा अपनी पहचान नहीं छोड़ेंगे। गोरखपुर से मौजूदा सांसद और बीजेपी उम्मीदवार रवि किशन ने आगे कहा कि अगर हमें संविधान बदलना होता तो हम अपने पिछले कार्यकाल में ही ऐसा कर चुके होते जब हमारे पास पूर्ण बहुमत था। भोजपुरी अभिनेता ने कहा कि मैं अपनी बात कहता हूं कि संविधान के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। संविधान मजबूत होगा। उनकी अफवाहों पर विश्वास न करें। लेकिन अब जब विपक्ष ने श्री राम मंदिर पर ताले लगाने की बात कही है तो इसका जवाब आपको 4 जून को मिलेगा। गोरखपुर सीट पर, जहां 1 जून को लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में मतदान होना है, सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद और अभिनेता से नेता बने रवि किशन शुक्ला को फिर से मैदान में उतारा है, जो समाजवादी पार्टी (सपा) की काजल निषाद के साथ सीधी लड़ाई में हैं। काजल एक भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री भी हैं, जो सपा और कांग्रेस के बीच सीट–बंटवारे के समझौते के बाद विपक्षी भारत ब्लॉक के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं।

सातवें चरण से पहले सपा को बड़ा झटका, पार्टी छोड़ने की तैयारी में यह दिग्गज नेता, शाह से की मुलाकात

लखनऊ 28 मई (सं0)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से कुछ दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के लिए एक और झटका सामने आया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता नारद राय ने श्एक्सश पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा की। राय, जो दिवंगत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते थे, ने अमित शाह के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर साझा की, जो निकट भविष्य में संभावित दलबदल का संकेत देती है। मुलाकात के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर भी मौजूद रहे। राय, जो दिवंगत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते थे, ने अमित शाह के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर साझा की, जो निकट भविष्य में संभावित दलबदल का संकेत देती है। मुलाकात के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर भी मौजूद रहे। एक्स को संबोधित करते हुए, राय ने प्रधान मंत्री मोदी को एक ऐसा नेता बताया, जिन्होंने वैश्विक मंच पर देश को प्रशंसा दिलाई है और अमित शाह को ष्राजनीति का चाणक्यष कहा, दोनों हस्तियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि "पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को मजबूत करने के उनके संकल्प और राष्ट्रवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे। जय श्री राम।" राय के हालिया कार्य और बयान उनकी राजनीतिक निष्ठा में संभावित बदलाव का संकेत देते हैं, एक ऐसा विकास जो चुनाव के महत्वपूर्ण चरण से ठीक पहले समाजवादी पार्टी की स्थिति को और चुनौती दे सकता है। नारद राय तीन दशक से अधिक समय से राजनीति में हैं और उत्तर प्रदेश में भूमिहार समुदाय के बड़े नेता माने जाते हैं।

लोकसभा चुनाव के बीच केजरीवाल सरकार को बड़ा झटका, मंत्री आतिशी को कोर्ट ने भेजा समन

लखनऊ 28 मई (सं0)। अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने पर आदेश सुनाने के लिए 4 जून की तारीख तय की है। आतिशी एवं अरविंद केजरीवाल द्वारा भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने का आरोप लगाया था जिसके विरूद्ध में प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के एसीएमएम ने दिल्ली भाजपा के मीडिया विभाग के प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर द्वारा दिल्ली की मंत्री आतिशी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने दिल्ली की मंत्री आतिशी को 29 जून को अदालत में पेश होने के लिए बुलाया है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने उत्पाद शुल्क नीति मामले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ दायर ईडी की पूरक चार्जशीट (अभियोजन शिकायत) पर आदेश सुरक्षित रख लिया है।

अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने पर आदेश सुनाने के लिए 4 जून की तारीख तय की है। आतिशी एवं अरविंद केजरीवाल द्वारा भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने का आरोप लगाया था जिसके विरूद्ध में प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। आतिशी को पहले उनके इस दावे के बाद भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा नोटिस दिया गया था कि पार्टी में शामिल होने के लिए एक भाजपा नेता ने उनसे संपर्क किया था और उन्हें रिश्वत दी थी। यह उस समय की बात है जब आतिशी उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद केंद्र में आ गई थीं।

बच्चों के अस्पताल में आग के बाद एक्शन में आप सरकार, दिल्ली के सभी अस्पतालों में हो फायर आडिट

लखनऊ 28 मई (सं0)। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ दिल्ली सचिवालय में एक बैठक के बाद भारद्वाज ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल आग की घटनाओं से निपटने के लिए सुसज्जित हों। अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक शनिवार देर रात लगी आग के बाद शहर के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। विवेक विहार में एक नवजात शिशु देखभाल केंद्र में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत के एक दिन बाद, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के सभी अस्पतालों को अग्नि सुरक्षा ऑडिट करने और 8 जून तक राज्य स्वास्थ्य विभाग को अनुपालन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ दिल्ली सचिवालय में एक बैठक के बाद भारद्वाज ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल आग की घटनाओं से निपटने के लिए सुसज्जित हों। अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक शनिवार देर रात लगी आग के बाद शहर के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। भारद्वाज ने कहा कि नियम है कि 9 मीटर से कम ऊंचाई वाले अस्पतालों को फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) की आवश्यकता नहीं है। यही कारण है कि इस अस्पताल के पास फायर एनओसी भी नहीं थी. अब, हमने निर्देश जारी किए हैं कि सभी अस्पतालों, चाहे एक मंजिला या दो मंजिला, उनके परिसर में आग से निपटने के लिए सभी सुरक्षा इंतजाम होने चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी अस्पतालों में उनकी ऊंचाई की परवाह किए बिना जल छिड़काव प्रणाली और स्वचालित धुआं डिटेक्टर स्थापित किए जाएं ताकि आग को इमारत में फैलने से रोका जा सके। दिल्ली के अस्पताल की कहानी भी ज्यादा कुछ अलग नहीं है। विवेक विहार स्थित बेबी केयर न्यू बोर्न हॉस्पिटल में भीषण आग लग गई और जल्द ही आसपास की दो इमारतों में फैल गई। इस घटना में कम से कम सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। अस्पताल भी सुरक्षा नियमों का पालन करने को लेकर भी सवालों के घेरे में है। दिल्ली पुलिस के अनुसार इसमें पर्याप्त सुरक्षा उपायों का अभाव था और यह एक्सपायर हो चुके लाइसेंस पर चल रहा था।

व्यापारी से अपाचे सवार बदमाश ने लूटे पौने दो लाख

-ऋंट८ि?का र्लीापर्प ल्क झं' ख्,मा ऋह?वइ ।प ।,'' ' ऱ्ढं?र्ख' करच
- ।िख्व इ'इ'स्'म' ऋहस्पर इप ५ंसं' ' रंट८िृ वपापर्प ल्क झं' ख्,मा ऋह?वइ ख्व्वर्प प कलंप ख्यॅ रहर्स
- ऋ'?ड़ीर्' ' ऋ,ि। संृ ऋहस्पर्र प संर्दृ ऋृ सऋंपि लंर्ग्च इमृंर्पॅ प ?दृघींृ्ि।पर्प ल्क इंट८-दॅ८ि्ृ ढ।प इप वंपड़

(मथुरा / महावन)(ए.के.शर्मा) थाना महावन क्षेत्र में लगातार बदमाशों का कहर बढ़ता जा रहा है। वही महावन पुलिस की सुस्ती के चलते लगातार बदमाश घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।तीन दिन पूर्व एक महिला के साथ लूटपाट कर दुष्कर्म की घटना हुई। वहीं गुरुवार की रात लगभग आठ बजे एक व्यापारी के साथ लूटपाट कर लूट की घटना को अंजाम दिया गया है।वही

गल्ले का व्यापारी गुरुवार की रात लगभग आठ बजे राजू पुत्र हुसैनी निवासी लोहवन आरटीओ कार्यालय औरंगाबाद से पौने दो लाख रुपये लेकर अपने घर चला था राजू ने रकम थैला में रख कर अपनी विक्की के हैंडल पर लटका रखे थे। राजू महावन लक्ष्मीनगर रोड़ पर मां चंद्रावली मंदिर के समीप पहुंचा था तभी पीछे से उसका पीछा करते आ रहे अपाचे मोटरसाइकिल पर दो बदमाश सवारों ने रोका राजू ने अपनी विक्की नहीं रोकी तो उसे चपेट मार दी जिसमें राजू विक्की लेकर गिर गया और नकाबपोश बदमाशों ने राजू को दबोच कर रुपयों से भरा थैला लूट लिया।बताया गया है कि पैसे के बैग को लेकर दोनों बदमाश लक्ष्मी नगर की ओर भाग निकले। पीड़ित ने रात्रि में थाना महावन पहुँचकर पुलिस को जानकारी दी पुलिस मौके पर पहुंची और उसे समझाकर सुबह के लिए टाल दिया लेकिन उस दिन पीड़ित की प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई।पीड़ित अगले दिन अपनी लूट की घटना को लेकर थाने पहुँचा लेकिन महावन पुलिस ने वही हमेशा की तरह रटी रटाई भाषा मे जबाब देकर घटना को टालने में अपनी जाँच पड़ताल करने का हवाला देकर पैसे लेकर चलने वाले स्थान से लेकर घटना स्थल तक के सीसीटीवी पुटेज खंगालने में जुट तो गई लेकिन लूट करने वाले अपाचे बाईक सवारो की पीड़ित और पुटेज से पहचान होने के बाबजूद महावन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई।सोमवार को पीड़ित पुनः महावन थाने पहुंचा और लूट की घटना को अंजाम देने वाले अपाचे सवारो की पहचान होने के बाद भी गिरप्तारी न करने पर हंगामा करने लगा तब कही जाकर महावन पुलिस ने लूट की घटना को अंजाम देने वाले अपाचे बाईक सवारों को बाईक सहित गिरप्तार भी किया लेकिन सूत्रों के मुताबिक महावन पुलिस ने साठ–गांठ कर अपाचे बाईक सवारों को देर रात्रि छोड़कर पीड़ित को ही उल्टा बुरी तरह से धमका कर थाने से भगा दिया।पीड़ित लगातार न्याय हेतु गुहार लगाता रहा लेकिन थाने स्तर से लूट की घटना के पुटेज मिलने के बाबजूद कोई कार्यवाही न होने पर पीड़ित ने मंगलवार को एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है।वही एसएसपी ने जाँच कराने का आश्वासन देकर पीड़ित को सांत्वना दी है।वही पीड़ित राजू का कहना है कि महावन पुलिस ने मेरे साथ हुई लूट की घटना की जांच हर पहलू से कर ली है उसके बाद मुझसे तहरीर लेकर कहा गया शाम को अपनी एफआईआर ले जाना।उसके बाद लूट करने वालो को गिरफ्तार भी किया लेकिन साठ–गांठ कर उन्हें थाने से ही छोड़ दिया।महावन पुलिस ने न तो मेरी तहरीर पर एफआईआर दर्ज की उल्टा मुझ पर घटना को बदलने का दवाब बना कर बुरी तरह से थाने से धमकाकर भगा दिया गया है।मैने पूरी घटना को एसएसपी साहब को बता दिया है।

ब्रज प्रेस क्लब का भव्य-दिव्य होगा 30 मई को पत्रकारिता दिवस समारोह

ऋ३ि?ृर्ि' ' ?कश्ं एमॅ ऋ३ि्ृर्प' ' कश्ं ऋृ ,पद' ञ्व्हफं ि।चि
ळ्ष्ज्ञ१उरझं' लपदंख्हह्मं-बऋख्ज्ञ१ह

मथुरा। नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया, एनयूजे उत्तर प्रदेश एवं ब्रज प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले 32 वें पत्रकारिता दिवस समारोह 30 मई गुरूवार को स्टैटबैंक चौराहा स्थित होटल ब्रजवासी रॉयल के सभागार में प्रातरू 10 बजे से विधिवत कार्यक्रम आयोजित होगा। एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं एनयूजे उत्तर प्रदेश के संरक्षक डॉ. कमलकान्त उपमन्यु एडवोकेट ने बताया कि गणेश शंकर विद्यार्थी की याद में आयोजित होने जा रहे पत्रकारिता दिवस समारोह में पत्रकारिता की आगे दिशा दशा क्या होगी इस पर चर्चा होगी एवं फैक न्यूज भी प्रमुख मुद्दा रहेगा। ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ.उपमन्यु एडवोकेट ने बताया कि यह वृहद एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी की अध्यक्षता में आयोजित होगा यह कौन है कार्यक्रम में न्यायिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक और धार्मिक क्षेत्र से जुड़ी हस्तियों का समागम होगा।

कार्यक्रम में ब्रज क्षेत्र के प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों तथा ब्रज क्षेत्र के गणमान्य नागरिक सम्मलित होंगे। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों तथा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश तथा अंजुमन हिमायत चपरासियान उत्तर प्रदेश द्वारा बैठक

प्रदीप वर्मा झांसी संवाददाता झांसी धदिनांक 19 मई 2024 को संयुक्त बैठक में निर्णय लिये गये निर्णय एवं प्रांतीय संघ के आवहान

पर दिनांक 20.05.2024 को दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, शाखा झांसी के सत्यामान में न्यायालय जनपद झांसी के समस्त तृतीय श्रेणी कर्मचारीगण द्वारा कर्मचारियों की समस्याओं जैसे कर्मचारियों के अंतर जनपदीय स्थानांतरण एफ०टी०सी० कर्मचारियों के विनियमितीकरण शेट्टी कमीशन की संस्तुतियों को लागू कराने तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की शैक्षिक योग्यता स्नातक करने एवं दीवानी न्यायालय में कार्यरत कर्मचारियों को न्यायिक अधिकारियों की भांति पूरे देश में एक समान वेतनमान प्रदान करने, 4600 ग्रेड पे के पदों की राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान करने, दफतरी के पदों के कराया जाना, जिला न्यायालय सेवा नियमावली के पदोन्नति पदों से परिवीक्षा अवधि समाप्त करने एवं कर्मचारियों के सेवा नियमावली में संशोधन का प्रकरण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पदों को अविलंब भरा जाना कर्मचारियों को पोशाक भत्ता प्रदान करने, अजित अवकाश पर जाने पर वेतन लम्बे समय तक न रोका जाना, वर्षों से एक ही पहल पर कार्यरत कर्मचारियों का धानांतरण कॉगण कैटेगरी कर्मचारीगण को अद्य उन मूल वेतन पर एक अतिरिक्त पैतन वृद्धि प्रदान करने स्वीपर कम फर्राश की शातवें येतन आयोग द्वाषा निर्धारित 18000 न्यूनलय वेतन प्रदाने करने के लिये प्रयासों को पूर्ण करने के लिये प्रतिज्ञा राभा का आयोजन किया गया गया। प्रतिक्षा राभा में तीवानी न्यायालय कर्मभारी संख्या झांसी के पदाधिकारीगण प्रांतीय संगटन सचिव रवि प्राय सिंह अक्ष मण्डल अध्यक्ष, दयाराम पांचाल, सचिव राहुल चना गौतम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कुमार शाक्या संगुका सचिव आदि जाफरी, सांस्कृतिक सचिप शैलेन्द्र सिंह कोषाध्यक्ष शशांक कुमार कश्यप, कार्यकारणी सदस्यगण नीरज गुप्ता आशीष गुप्ता, शुभम कुमार आशुतोष सिंह, विवेक कुमार, अजय देव, नितिन रागाधि या, शैलेन्द्र कुमार, मनीष पंकज दिलीप कुमार एवं सगरत कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

31 अगस्त तक प्रजननशील मछलियों को मारना, पकड़ना और बेचना दण्डनीय

बहराइच 28 मई। जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार कोई भी व्यक्ति 01 जून से 31 अगस्त 2024 तक न तो प्रजननशील मछलियों को पकड़ेगा, न ही मारेगा और न ही बेचेगा, जब तक कि उसके पास मत्स्य विभाग द्वारा निर्गत वैध लाइसेंस न हो। इसके साथ 15 जुलाई से 30 सितम्बर 2024 तक मत्स्य जीरा अथवा अंगुलिका (2 से 10 इंच) आकार की मछली न तो पकड़ी जायेगी और नही बेची जायेगी। उल्लेखनीय है कि वर्षा ऋतु में भारतीय मेजर कार्प मछलियां कतला, रोहू, नैन एवं कारौच तथा विदेशी कार्प ग्रासकार्प, सिल्वर कार्प व कामन कार्प के प्रजनन काल को देखते हुए इन मछलियों के सम्वर्धन एवं संरक्षण हेतु उ.प्र. मत्स्य अधिनियम 1948 के प्राविधानों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना अपरिहार्य हो गया है।

जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश उन सभी जलाशयों, नदियों की समस्त जल धाराओं पर प्रभावी होगा जो जनपद बहराइच की सीमा में है, और जिला मजिस्ट्रेट बहराइच द्वारा यथाविध व्यक्तिगत अथवा धार्मिक नहीं घोषित किए गये है। मछलियों के सम्वर्धन एवं संरक्षण हेतु कोई भी व्यक्ति विस्फोटक पदार्थ अथवा कृषि रक्षा एवं व्यापारिक कार्य में प्रयुक्त होने वाले विषैले रसायन से मछली नहीं मारेगा और न ही मारने का प्रयास करेगा और न ही निर्देशित क्षेत्र के प्राकृतिक बहाव को रोकने हेतु कोई अवरोध नही लगायेगा, और न ही ऐसा करके मत्स्य जीरा अंगुलिका और मछली पकडेगा अथवा नष्ट करेंगा और न ही पकड़ने अथवा नष्ट करने का प्रयास करेगा। आदेशों के उल्लंघन में लगाये गये अवरोधक सामग्रियों, पकड़े गये मत्स्य जीरा एवं मछली जब्त कर ली जायेगी तथा यह कृत्य उ.प्र. मत्स्य अधिनियम 1948 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

मा0डि0बार एसोसिएशन का चुनाव संपन्न अध्यक्ष पद पर दिनेश शुक्ला महामंत्री पद पर रामगोपाल शुक्ला रहे विजयी

श्रावस्ती 28 मई (भि0टा0सं0)। मा0डि0बार एसोसिएशन श्रावस्ती का चुनाव सोमवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गया देर शाम जारी मतगणना परिणाम के अनुसार अध्यक्ष पद पर दिनेश शुक्ला ने 178 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्धंदी कृष्ण कुमार त्रिपाठी को 78 मतों के अन्तर से पराजित किया कृष्ण कुमार त्रिपाठी को 100 मिलें तीसरे स्थान पर सुरेश चन्द्र तिवारी को 94 व चौथे स्थान पर रहे जगतराम वर्मा को 31 मत मिले पांचवे स्थान पर रहे अवधेश कुमार आर्य को 19 मत मिलें। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राधेश्याम वर्मा ने 181 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्धंदी चन्द्र भूषण त्रिपाठी को 38 मतों के अन्तर से पराजित किया चन्द्र भूषण त्रिपाठी को 143 मत मिलें तीसरे स्थान पर रहे मो0 नसीम को 93 मत मिलें। महामंत्री पद पर राम गोपाल शुक्ला ने 166 मत पाकर अपने निकटतम उम्मीदवार सतीश कुमार मौर्य को 21 मतों के अन्तर से पराजित किया सतीश मौर्य को 145 मत मिलें तीसरे स्थान पर रहे रवि शंकर पाठक को 113 मत मिलें। संयुक्त मंत्री प्रशासन के पद पर पंकज पाण्डेय ने 265 मत हासिल कर अपने निकटतम उम्मीदवार रत्नेश्वर 106 मतों के अन्तर से पराजित किया रत्नेश्वर पाण्डेय को 159 मत मिलें।

मतगणना की तैयारियां तेजी से जारी

बलरामपुर 28 मई (भि0टा0सं0)। डीएम जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह के निर्देशन में लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी, शान्तिपूर्ण व सकुशल ढ़ग से सम्पन्न कराए जाने हेतु 04 जून को मतगणना की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी है। इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दिशा निर्देश में मतगणना कार्मिकों का प्रथम रेंडमाइजेशन डीएम ध् जिला निर्वाचन अधिकारी सिंह के अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में निर्वाचन आयोग के सॉफ्टवेयर पर संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी संजीव कुमार मौर्य, जिला विकास अधिकारी गिरीश पाठक , जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अमित कुमार उपस्थित रहें। डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया की मंडी समिति में लोकसभा सीट श्रावस्ती की 03 विधान सभावार बलरामपुर , तुलसीपुर , गैंसड़ी तथा लोकसभा सीट गोंडा की विधानसभा उतरौला तथा गैंसड़ी विधानसभा उपचुनाव के मतों की गणना दिनांक 04 जून को होगी। मतगणना हेतु समस्त तैयारिया युद्धस्तर पर जारी है।

मतगणना स्थल पर विधान सभावार 14 – 14 टेबल लगाई जाएगी , जिन पर मतो की गणना होगी । इसके अलावा प्रत्येक विधानसभा 03 – 03 रिजर्व टेबल , 01 – 01 रिटर्निंग ऑफिसर ध् सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की टेबल होगी।

उन्होंने बताया की मतगणना कार्य को निष्पक्ष , पारदर्शी, सकुशल रूप से संपन्न कराए जाने हेतु 420 कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई हैं। मतगणना कार्मिकों का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न करा दिया गया है। द्वितीय रेंडमाइजेशन मतगणना के एक दिन पहले प्रेक्षक की मौजूदगी में होगा। प्रत्येक गणना टेबल पर एक–एक मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक, मतगणना माइक्रो आब्जर्वर, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी लगेंगे।

पत्नी का हत्यारोपी पति गिरफ्तार

मथुरा। बलदेव क्षेत्र के गांव नगला बुर्ज में घर के अंदर पत्नी की हत्या कर फरार हुए हत्यारोपी को थाना बलदेव पुलिस ने

गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना बल्देव संजय कुमार त्यागी के मुताबिक गला रेतकर पत्नी की हत्या करने वाले नामजद अभियुक्त मृतका के पति गौरव कुमार पुत्र ओमवीर सिंह मूल निवासी रफायतपुर नगला जुझार थाना गौण्डा जिला अलीगढ हाल पता किराये का मकान सत्यभान सिंह पुत्र भगवान सिंह निवासी नगला बुर्ज थाना बलदेव मथुरा के विरुद्ध हत्या का अभियोग पंजीकृत हुआ था। अभियुक्त गौरव कुमार को बरौली अड्डा कैलाश मार्ग से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना बलदेव संजय कुमार त्यागी, एसआई आराम सिंह थाना बलदेव, एसआई बलवीर सिंह थाना बल्देव आदि थे।

दाग कपड़ों में नहीं सोच में है बदल डालिए–सीएमओ

बहराइच 28 मई (भि0टा0सं0)। मासिक धर्म का आना शरीर का सामान्य बदलाव है जो एक किशोरी को माँ बनने के लिए तैयार करता है। साथ ही यह स्वस्थ शरीर होने का संकेत भी देता है। यह न होता तो धरती पर मनुष्य भी नहीं होते। इसके बावजूद समाज में इसे अपवित्र माना जाता है और आधी आबादी को रसोई घर से लेकर धार्मिक क्रिया कलापों से दूर रखा जाता है। यह बाते विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर सीएमओ सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रभारी सीएमओ डॉ राजेश ने कही। उन्होंने कहा शर्म संकोच और भ्रांतियों के चलते समाज में मासिक धर्म पर खुल कर बात भी नहीं की जाती। इसकी वजह से आधी आबादी को उन मुश्किल दिनों में शारीरिक कष्ट के साथ–साथ मानसिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। वह मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के व्यवहारों को नहीं अपना पाती और कई प्रकार के संक्रमण के चपेट में आ जाती हैं। डिप्टी सीएमओ डॉ एसके सिंह ने बताया कि माहवारी के दौरान प्रत्येक चार घंटे में सैनेट्री पैड को अवश्य बदल देना चाहिए। कपड़ों का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करना है क्योंकि इससे संक्रमण हो सकता है। हर बार सैनेट्री पैड बदलने के साथ ही जननागों की सफाई अच्छी तरह करना चाहिए। माहवारी में साफ सफाई का खास ध्यान न रखने पर बाँझपन, सर्वाइकल कैंसर और योनि संक्रमण जैसी गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। इसके आलावा खुले में शौच या गन्दे शौचालय का उपयोग भी यौन जनित संक्रमण का कारण होता है। इसके लिए सार्वजानिक शौचालय का उपयोग करने से पहले उसमें एक बार पानी अवश्य डाल दें। एसीएमओ डॉ पी के बांदिल ने कहा मासिक धर्म के दौरान पौष्टिक भोजन के साथ साथ आयरन की गोली का भी सेवन करना चाहिए . यह गोलियां स्वास्थ्य केन्द्रों या आशा कार्यकर्ता के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। इसके सेवन से कमजोरी चक्कर आना या खून की कमी से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया महिलाओं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान अधिक पेट दर्द या कमजोरी होने पर चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

सेवानिवृत्त हो रहे मण्डलायुक्त को जिले में दी गई भावभीनी विदाई

बहराइच 28 मई। आसन्न 31 मई 2024 को अधिवर्षता की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले आयुक्त देवीपाटन मण्डल गोण्डा योगेश्वर राम मिश्र को कलेक्ट्रेट सभागार बहराइच में आयोजित समारोह में जिले के अधिकारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह के लिए धर्म पत्नी डॉ. सुधा मिश्र, प्रोफेसर के.जी.एम.जी.पी.जी. कालेज लखनऊ के साथ पधारे आयुक्त श्री मिश्र का कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचने पर डीएम मोनिका रानी, एसपी बृन्दा शुक्ला, सीडीओ रम्या आर, सीआरओ देवेन्द्र पाल सिंह, एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर सहित अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया।

विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए डीएम मोनिका रानी, एसपी बृन्दा शुक्ला, सीडीओ रम्या आर, एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव, एसडीएम कैसरगंज पंकज दीक्षित, तहसीलदार नानपारा अजय यादव, ईओ बहराइच प्रमिता सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, बीडीओ फखरपुर अजय प्रताप सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने आयुक्त श्री मिश्र के कृतत्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। डीएम मोनिका रानी ने कहा कि मण्डलायुक्त की मानवीय संवेदना, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक सरोकार एवं कुशल प्रशासनिक क्षमता के कारण श्री मिश्र का कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा। डीएम ने कहा कि आयुक्त के सहज व्यक्तित्व के कारण आकांक्षात्मक जनपद बहराइच में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की गई है। डीएम ने कहा कि मण्डलायुक्त की विशेष खूबी यह है कि जब भी कोई अच्छा कार्य होता है तो एक वरिष्ठ अधिकारी, संरक्षक एवं परिवार के मुखिया के नाते हमेशा हौसला अफजाई भी करते हैं। इस सन्दर्भ में डीएम ने कहा कि जनपद में आयोजित किये गये सेवा से संतृप्तिकरण अभियान की आयुक्त की ओर से सराहना मिलने से जिले के अधिकारियों को और अच्छा करने की प्रेरणा मिली।

मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र व उनकी धर्म पत्नी डॉ. सुधा मिश्र ने विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए डीएम व एसपी सहित सभी अधिकारियों का आभार ज्ञापित किया। आयुक्त श्री मिश्र ने जिले के अधिकारियों को सीख दी कि सरकारी सेवा को एक अवसर की तरह से लें।

मतगणना कार्मिकों का प्रथम रैण्डमाईजेशन सम्पन्न

बहराइच 28 मई। लोक सभा सामान्य निर्वाचन–2024 की मतगणना कार्य के लिए जनपद बहराइच में नियुक्त किये गये मतगणना कार्मिकों का प्रथम रैण्डमाईजेशन जिला सूचना विज्ञान केन्द्र, बहराइच में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी मोनिका रानी, प्रभारी अधिकारी कार्मिकध्मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए राज कुमार, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, डीआईओ एनआईसी योगेश यादव, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी शिखा श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

इस अवसर पर डीएम मोनिका रानी ने बताया कि ईवीएम की मतगणना हेतु 04 सदस्यीय टीम में 01–01 माइक्रो आब्जर्वर, गणना सुपरवाईजर, गणना सहायक व चतुर्थ श्रेणी कार्मिक होंगे। डीएम ने बताया कि प्रत्येक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र हेतु 14 गणना टेबल, एआरओ टेबल हेतु 02 व रिजर्व में 03–03 टीमों को रखा गया है। इस प्रकार 07 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 532 गणना कार्मिक लगाये जाएंगे।

सम्पादकीय

राजनीति का लालू माडल प्रिय है रोहिणी आचार्य को

आजकल राजनीति में प्रायः सबकुछ केवल लाभ और हानि को देखकर ही निर्धारित किया जाने लगा है। बहरहाल, लालू यादव ने बिहार की चुनावी भूमि में जिन तिकड़मबाजियों और चालबाजियों का बीजारोपण किया था, उसकी फसल आजकल उनकी संतानें काटने लगी हैं। लोकसभा चुनाव 2024 जैसे.जैसे समाप्ति की ओर बढ़ता जा रहा है, वैसे.वैसे और अधिक रोमांचक होता जा रहा है। चुनाव आयोग की चिंता और कोशिश इस बात को लेकर नित्य.निरंतर जारी है कि लोकसभा चुनाव के सात चरणों के बेहद लंबे, लेंदी एवं उबाऊ शिड्यूल को वह शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्न निपटा सके। हालांकि उसे राजनीतिक दलों और नेताओं से इस बात की अपेक्षा नहीं होगी... और न ही करनी चाहिए कि वे इस बेहद कष्टसाध्य एवं दिमाग खपाऊ लोकसभा चुनाव के शांति एवं स्वच्छतापूर्वक संचालन और समाप्ति के लिए उसकी प्रशंसा करेंगे और उसके कंधे पर भरोसे वाले अपने हाथ रखेंगे। दुर्भाग्य से फिलहाल तो ऐसा कतई नहीं होने वाला, यह चुनाव आयोग को भी अच्छी तरह से पता है और नेताओं को भी। यहां तक कि अब तो देश की जागरूक जनता भी इस गुत्थी को समझने लगी है। लेकिन बता दें कि परेशान केवल चुनाव आयोग ही नहीं है, बल्कि राजनेताओं के चेहरों पर भी चिंता की लकीरें और आंखों में भय का खौफ स्पष्ट रूप से देखा और पढ़ा जा सकता है... और यही कारण है कि पराजय की चिंता और भय के वशीभूत हुए नेता अपनी विजय के लिए तरह.तरह के तीर और तुक्के आजमाने में लगे हैं। कभी वे जाति का राग अलाप कर समाज को विभाजित करने का प्रयास करते हैं तो कभी धर्म के नाम पर घृणा की भट्ठी जलाकर उसमें मानवता और भाइचारे को खाक कर देना चाहते हैं, कभी मिथ्या समाचारों, आरोपों, नारों और वादों का सहारा लेते हुए जनता को मूर्ख बनाकर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं तो कभी आगजनी, हिंसा और उत्पात को प्रोत्साहन देकर भय और आतंक का वातावरण तैयार करना चाहते हैं, ताकि वे चुनाव को ध्रुवीकरण के माध्यम से प्रभावित कर सकें, जिसका सीधा और नकारात्मक प्रभाव दूसरे पक्ष वाले प्रत्याशी तथा उनके मतदाताओं पर पड़ता है। निश्चत रूप से इस तिकड़मबाजी में कमोबेश आज सभी पक्षों और पार्टियों के नेता शामिल हो चुके हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो आज के इस धूमिल राजनीतिक माहौल में कोई भी दल या नेता दूध का धुला नहीं है या कहा जाए कि इस हमाम में सभी नंगे हैं। बहरहाल, बिहार की बात करें तो राज्य की चुनावी फिजा में श्लालू मॉडलश राजनीति का दबदबा आज भी कायम है। वैसे बिहार का 1990 से 2005 के बीच का वह राजनीतिक दौर नहीं भूला जा सकता, जब लालू यादव मतपेटी से श्जिन्नश निकालने का दावा करते थे। वे हंकड़कर कहते थे कि मतगणना के दिन मतपेटी से जिन्न निकलेगा और लालू चुनाव जीत जाएगा। हालांकि इसका आज तक पता नहीं लग पाया है कि वह तथाकथित श्जिन्नश प्रत्याशियों को चुनाव जिताने में कितना सहायक अथवा कारगर था। पता तो आज तक यह भी नहीं चल पाया है कि वह श्जिन्नश स्वयं लालू यादव को कितनी बार चुनाव जिताने में सफल रहा था। वैसे बिहार की राजनीति से उनका वह श्भूराबालश यानी चार प्रमुख अगड़ी कही जाने वाली जातियों अर्थात् भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला (कायस्थ) को साफ कर देने वाले जुमले को भी कैसे भूला जा सकता है, जिसने बिहार की राजनीति में जाति और वर्ग के नाम पर जनता के बीच एक मोटी और गहरी रेखा खींच दी थी। इतना ही नहीं, लालू राज में हिंसा राज्य की पहचान बन चुकी थी। अपहरण और हत्या का धंधा उद्योग की तरह चलाया जाने लगा था। बेटी.बहुओं के साथ दिन.दहाड़े बलात्कार करना, लूटपाट, आगजनी, छिनतई और मारपीट जैसी घटनाएं तो सामान्य बात मालूम पड़ती थीं। राज्य संगठित अपराध का गढ़ बन गया था, जिसकी राजधानी पटना बन गई प्रतीत होती थी। उस दौर को याद करें तो पटना हाइकोर्ट ने तब कई बार बिहार के लालू शासन की तुलना श्जंगल राजश से करते हुए राज्य में विधि.व्यवस्था बनाए रखने की चेतावनियां दी थीं। यही नहीं, राज्य में राजनीतिक अपराध भी चरम पर पहुंच चुका था, जिसका ज्वलंत उदाहरण उनकी बेटी रोहिणी आचार्य के विवाह से जुड़ी एक घटना है।बता दें कि रोहिणी की शादी के समय पटना में नए खुले गाड़ियों के शोरूम से लगभग 45 नई कारें जबरदस्ती उठा ली गई थीं। दर्जन भर दुकानों से लगभग 100 सोफा.सेट तथा अन्य फर्नीचर लाए गए थे। एक शोरूम से 07 लाख रुपए के डिजाइनर कपड़े उठा लिए गए थे और 50 किलो ड्राईफ्रूट्स के अलावा खाने.पीने की अन्य सामग्रियां भी लूट ली गई थीं। बताया जाता है कि इसी कारण से पटना के एक्जिबिशन रोड पर गाड़ियों के दो शोरूम बंद कर दिए गए थे और कुछ दिनों बाद टाटा कंपनी ने भी अपने शोरूम में ताला लगा दिया था। तब पटना में लालू यादव के सालों सुभाष और साधु यादव का दबदबा कायम था। सुभाष यादव की यह स्वीकारोक्ति तब मीडिया में चर्चा का विषय बनी थी कि जीजा ने उन्हें श्राव साहबश (समरेश के पिता) के स्वागत के लिए कारों की व्यवस्था करने को कहा, जब उन्होंने विधायकों की गाड़ियां लाने का सुझाव दिया तो लालू यादव ने मना करते हुए कहा कि नई कारें लेकर आओ। गौरतलब है कि दूसरे दिन पटना हवाई अड्डे पर नई कारों की लंबी लाइन लगी थी, जिन पर श्रोहिणी संग समरेशश लिखा स्टीकर लगा था। बेशक इस प्रकार की राजनीति में लालू सफल रहे तथा दुर्भाग्य से उन्हें समय.समय पर कांग्रेस समेत नीतीश कुमार, शरद यादव और रामविलास पासवान जैसे राज्य के प्रमुख नेताओं का साथ और समर्थन भी मिलता रहा, जिनकी राजनीति लालू की राजनीति से बिल्कुल ही भिन्न शैली और परंपरा वाली रही है।इसका तात्पर्य यह है कि आजकल राजनीति में प्रायः सबकुछ केवल लाभ और हानि को देखकर ही निर्धारित किया जाने लगा है। बहरहाल, लालू यादव ने बिहार की चुनावी भूमि में जिन तिकड़मबाजियों और चालबाजियों का बीजारोपण किया था, उसकी फसल आजकल उनकी संतानें काटने लगी हैं। तेज प्रताप के कारनामों से तो सभी परिचित ही हैं कि कैसे जब भी वे मुंह खोलते हैं या कुछ राजनीतिक पहल करते हैं तो बेलगाम हो जाते हैं। अपनी इस बेलगामी के कारण वे अपनी तथा अपने दल की किरकिरी कई बार करा चुके हैं। हालांकि उनके छोटे भाई तेजस्वी की कुछ सधी चालें बताती हैं कि वे एक पेशेवर राजनीतिक व्यक्ति बनने की अभिलाषा रखते हैं, लेकिन उनकी एक बहन रोहिणी आचार्य भी अपने बेलगामी बोल के लिए अक्सर चर्चा का कारण बनती रहती हैं। अब एक बार फिर वे विवादों में घिर गई हैं। इस बार उन पर लोगों को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि बिहार के सारण में लोकसभा चुनाव 2024 के 05वें चरण की वोटिंग के दौरान 20 मई की शाम को भिखारी ठाकुर चौक के पास बूथ संख्या 118 पर अपने समर्थकों के साथ पहुंच कर रोहिणी ने मतदाताओं से दुर्व्यवहार किया था। हालांकि आक्रोशित भीड़ को देखते हुए वे खुद तो वहां से निकल गईं, लेकिन जाते.जाते हिंसा की आग भड़का गई।

4 जून को लोकसभा के नतीजों से तय होगा नया राजनीतिक समीकरण

2024 के लोकसभा चुनाव समाप्त हो रहे हैं, और परिणाम 4 जून को आयेंगे। चुनाव के बाद का परिणाम केवल विजेताओं और हारने वालों के बारे में नहीं है। यह केवल प्रत्याशित परिणामों से कहीं अधिक के बारे में है। इसमें अप्रत्याशित गठबंधनों की संभावना, सत्ता की गतिशीलता में नाटकीय बदलाव और नयी राजनीतिक ताकतों का उदय शामिल है, जिनका अभी खुलासा होना बाकी है। चुनाव में भाजपा की संभावित जीत एक महत्वपूर्ण बात है जो राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे सकती है। हालांकि, परिणाम अनिश्चित है, दो संभावित परिदृश्य हैं, जिनमें से प्रत्येक के निहितार्थ हैं। एक परिदृश्य में भाजपा के लिए भारी जीत की भविष्यवाणी की गयी है, संभवतः 400 से अधिक सीटें भी। दूसरा परिदृश्य कम सीटों के साथ भाजपा के लिए अधिक मामूली परिणाम का संकेत देता है। भाजपा की भारी जीत के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। सबसे खराब स्थिति में, यदि भाजपा कम सीटें जीतती है, तो भी पार्टी अन्य दलों से समर्थन प्राप्त कर सकती है। यदि पार्टी 2019 के चुनाव की तुलना में कम सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है, तो उसके पास कुछ तटस्थ दलों की मदद से सरकार बनाने की वैकल्पिक योजना–ब (प्लान–बी) भी है। कांग्रेस पार्टी द्वारा लिये गये रणनीतिक निर्णय, जैसे चुनाव लड़ने वाले निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या कम करना, भारतीय राजनीति की गहराई और जटिलता को उजागर करते हैं। प्रत्येक कदम एक बड़े लक्ष्य की ओर एक सुविचारित कदम है। शनिवार को लोकसभा चुनाव के छठे चरण के समापन के साथ, कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा की किस्मत श्लगभग तय श है, इंडिया ब्लॉक पहले ही 272सीटों के आधे आंकड़े को पार कर चुका है और कुल 350 से अधिक सीटों की ओर अग्रसर है।

भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इंडिया गठबंधन का गठन पिछले साल 26 विपक्षी दलों ने एकजुट होकर मोदी से लड़ने के लिए किया था। हालांकि, अगर भाजपा सत्ता में लौटती है, तो गठबंधन को एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। कुछ साझेदार, जैसे कि तृणमूल कांग्रेस और आप, ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ पूरी तरह से गठबंधन नहीं किया है, जिससे इंडिया ब्लॉक की स्थिति कमजोर हो गयी है। भाजपा की जीत से इंडिया अलायंस की रणनीति का पुनर्मूल्यांकन हो सकता है, तथा कुछ साझेदार वर्तमान इंडिया गुट से दूरी बनाना चुन सकते हैं। यदि भाजपा अधिक सीटें जीतती है, तो छोटी पार्टियां गठबंधन में शामिल होने के लिए दौड़ सकती हैं। यह भीड़ विजयी पक्ष के साथ जुड़ने की उनकी इच्छा से प्रेरित हो सकती है, जो चुनाव के बाद के परिदृश्य को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, गठबंधन में शामिल होने की यह हड़बड़ी सिर्फ राजनीतिक हितों से प्रेरित नहीं हो सकती है। कुछ दल मोदी का विरोध करना चाहते हैं, जबकि अन्य गठबंधन को एक असफल प्रयास के रूप में देखते हैं।

इसके परिणामस्वरूप नवगठितइंडिया गठबंधन कमजोर हो सकता है, क्योंकि इस गठबंधन में कई अच्छे दोस्त हैं जो केवल अपने स्वार्थ के आधार पर किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर सकते हैं। भाजपा की अधिक सीटें हासिल करने या अन्य दलों से समर्थन हासिल करने की क्षमता कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। यह राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से भारतीय गठबंधन सहित राजनीतिक ताकतों का पुनर्गठन हो सकता है। भाजपा ने कुछ महत्वपूर्ण सहयोगियों को खो दिया, जैसे शिवसेना और अन्नाद्रमुक के धड़े। लेकिन पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले टीडीपी वापस मिल गयी है। भाजपा नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी, के चन्द्रशेखर राव, मायावती और अन्य जैसे प्रभावशाली नेताओं के नेतृत्व वाली पार्टियों से समर्थन मांग सकती है। हालांकि किसी भी गठबंधन के साथ ये अभी शामिल नहीं हैं। इन नेताओं का महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव है और उन्होंने अतीत में भाजपा की मदद की है जब सत्तारूढ़ दल को उनकी जरूरत थी। चुनाव के बाद के परिदृश्य में उनकी संभावित भूमिका राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दे सकती है। अगर इंडिया ब्लॉक का प्रदर्शन खराब रहता है तो शिवसेना का उद्धवठाकरे गुट और शरदपवार के नेतृत्व वाली एनसीपी भी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल महत्वाकांक्षी हैं और उनकी नजर प्रधानमंत्री पद पर है। वह विपक्ष में रहेंगे। केजरीवाल ने भविष्यवाणी की कि अगर 4 जून को मोदी दोबारा जीते तो वह उद्धवठाकरे, शरदपवार, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुनखड़गे को जेल में डाल देंगे। उन्हें भी वापस जेल भेजा जायेगा। केजरीवाल ने भाजपा विरोधी कड़ा रुख अपना लिया है और आप के राजनीतिक भविष्य के लिए उन्हें इस पर कायम रहना होगा। 4 जून को चुनाव नतीजे दिखायेंगे कि चुनाव के बाद का परिदृश्य भारतीय गठबंधन को कैसे प्रभावित करता है, उसे तोड़ता है या मजबूत करता है। वे यह भी संकेत देंगे कि क्या भाजपा अपनी हैट्रिक के साथ और अधिक अहंकारी हो जायेगी? भाजपा की लगातार तीसरी जीत पार्टी को अपने हिंदुत्व कार्यक्रम को और अधिक जोश के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।

खुद के अस्तित्व के लिए कट्टर बने रहना इस्राइल की मजबूरी, रईसी की मौत के बाद बंट सकता है समर्थन

यहूदीवाद इतिहास का सबसे पुराना उपनिवेशवाद–विरोधी संघर्ष है, जो रोमन युग में शुरू हुआ था। जहां तक इस्राइली यहूदियों के अपने पूर्वजों की भूमि पर लौट जाने की बात है, तो सवाल उठता है कि उनके पूर्वजों की भूमि कहां है और क्या है। रूसी नरसंहार या अरब नरसंहार या सामूहिक नरसंहार की भूमि ? इस्राइल के कटु आलोचक इसे भूल जाते हैं, लेकिन इस्राइली नहीं। इस्राइल को कोसने वाले यह समझें कि वह बदल नहीं सकता, क्योंकि यह लड़ाई उसके अस्तित्व की है। लेकिन अंदरूनी और बाहरी चुनौतियों से जूझ रहा और खुद को इस्लामी क्रांति का अगुआ मानने वाला ईरान भूल रहा है कि लंबे समय में क्रांतियां उन्हीं मूल्यों को नुकसान पहुंचाने लगती हैं, जिनके लिए वे लड़ी गई थीं। मेरे एक मित्र ने मुझे बताया कि पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट दो तारीखों से संबंधित एक सवाल पर आधारित है कि 1948 और 1979 में से किस ऐतिहासिक क्षण के पलटने की संभावना है? ये तारीखें इस्राइल के निर्माण और उसके 31 साल बाद ईरानी क्रांति से संबंधित हैं। इस प्रश्न का निहितार्थ यह है कि यहूदी राज्य और इस्लामी गणतंत्र स्थायी रूप से एकसाथ अस्तित्व में नहीं रह सकते, कम से कम तब तक, जब तक दूसरा (इस्लामी गणतंत्र) पहले (यहूदी राज्य) को खत्म करने की चाह रखता हो। हाल के दिनों ने उनके पतन के दो संभावित माध्यमों को चर्चा में ला दिया है। सबसे पहले, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अभियोजक करीम खान ने घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इस्राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के लिए आवेदन करेंगे। यह अलग बात है कि इस फैसले से दोषसिद्धि तो दूर की बात है, किसी की गिरफ्तारी भी संभव नहीं है। बाइडन प्रशासन ने पहले ही इस फैसले की निंदा की है और यहां तक कि जिन देशों के इस्राइल से कम दोस्ताना रिश्ते हैं, वे भी मानते हैं कि परमाणु हथियार संपन्न और ताकतवर खुफिया एजेंसी वाले किसी राष्ट्र के नेता की गिरफ्तारी संभव नहीं है। लेकिन यह घोषणा उसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत इस्राइल के विरोधी मानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता खत्म करने और अलग–थलग करने से धीरे–धीरे इस्राइल पतन की ओर अग्रसर होगा। यहां तक कि नेतन्याहू और गैलेंट के साथ हमास के तीन नेताओं की गिरफ्तारी की मांग करने का करीम खान का फैसला भी उसी समग्र रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि यह इस्राइली नेताओं को नैतिक स्तर पर आतंकवादियों के साथ रखता है। फिर हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन और छह अन्य लोगों की मृत्यु भले ही दुर्घटनावश हुई हो। लेकिन इस आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि जिस हेलिकॉप्टर में वे थे, उसे घरेलू या विदेशी साजिशकर्ता द्वारा गिराया गया। दुर्घटना का जो भी कारण हो, यह शासन के लिए विश्वासघात और पूर्वाभास को समझने में कमजोरी दोनों को दर्शाता है। श्विश्वासघातश इसलिए कि सक्षम राष्ट्रों को अपने अति विशिष्ट व्यक्तियों को बिना दुर्घटना के विमान में ले जाने में सक्षम होना चाहिए। और श्पूर्वाभास में कमीश इसलिए कि 1980 के दशक में हजारों कैदियों को फांसी पर चढ़ाकर अपना दबदबा कायम करने वाले रईसी को व्यापक रूप से ईरान के 85 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। ऐसे में, उनकी सुरक्षा को लेकर ज्यादा एहतियात बरतनी चाहिए थी।

अब ईरान को 50 दिनों के भीतर चुनाव कराने होंगे, जो शासन की गंभीर अलोकप्रियता को उजागर करेगा। वर्षों से मतदान का प्रतिशत घटता जा रहा है, क्योंकि खामेनेई चुनावी मैदान में सबसे कट्टर उम्मीदवारों को ही उतारते हैं। यह उनके उत्तराधिकार के लिए सत्ता संघर्ष का मंच भी तैयार करता है, खासकर खामेनेई के अलोकप्रिय बेटे मोज्तबा को उत्तराधिकार सौंपने के प्रति व्यापक अनिच्छा को देखते हुए शासन को उनकी इच्छा से प्रभावी ढंग से राजशाही में बदल दिया गया है। अगर गंभीर आर्थिक संकट को 2022 के विरोध प्रदर्शन के क्रूर दमन से उपजे गुस्से के साथ जोड़ दें, तो गंभीर अस्थिरता की आशंका या शासन के अचानक पतन का खतरा वास्तविक महसूस होने लगता है। ऐसे में, यही सवाल उठता है कि इस्राइल या ईरान में से किस पर संकट ज्यादा है? जैसा कि पूर्व ईरानी राष्ट्रपति अकबर रफसंजानी ने एक बार कहा था। इस्राइल के लिए सबसे गंभीर खतरा यह है कि एक परमाणु बम समूचे इस्राइल को खत्म कर देगा। लेकिन इससे इस्लामी जगत को सिर्फ नुकसान ही होगा। इसलिए, इस पर विचार करना अतार्किक है। ईरान की बढ़ती परमाणु क्षमताओं (और उस बारे में अस्पष्टताओं) को लेकर पश्चिमी दुनिया को जरूर चिंतित होना चाहिए। लेकिन आईसीसी के कदमों से या फिर शैक्षिक संस्थानों में विरोध जताने से इस्राइल को न के बराबर खतरा है। उनकी सोच यह है कि इस्राइली लोगों को एक खास क्षेत्र में बसाया नहीं गया था। यहूदियों का मानना है कि वे मूल रूप से इस्राइल से हैं।

यहूदीवाद इतिहास का सबसे पुराना उपनिवेशवाद–विरोधी संघर्ष है, जो रोमन युग में शुरू हुआ था। जहां तक इस्राइली यहूदियों के अपने पूर्वजों की भूमि पर लौट जाने की बात है, तो सवाल उठता है कि उनके पूर्वजों की भूमि कहां है और क्या है। रूसी नरसंहार या अरब नरसंहार या सामूहिक नरसंहार की भूमि ? इस्राइल के कटु आलोचक इसे भूल जाते हैं, लेकिन इस्राइली नहीं। उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है, यह तथ्य अब यहूदी प्रवासी समुदायों के प्रति नफरतों से उजागर है। इस्राइल पर अपने दुश्मनों के समक्ष नरम पड़ने के लिए जितना दबाव डाला जाएगा, उतना ही यहूदीवाद पैदा होगा। यह कट्टरता यहूदी पहचान से जुड़ी हुई है। ईरान में शासन के लिए मुख्य खतरा भीतर से और नीचे से आता है। वहां की स्थितियों में यह भूलना आसान है कि 2022 में हिजाब और महिलाओं के अधिकारों को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों से पहले भी कई विरोध प्रदर्शन हुए थे। हालांकि शासन बेहद हिंसक तरीकों के असंतुष्टि को दबाने में सफल रहा है, लेकिन इन विरोध प्रदर्शनों की बढ़ती आवृत्ति से स्पष्ट है कि शासन के प्रति जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। रईसी की मौत के साथ शासन को जो समर्थन मिल भी रहा है, वह बंट सकता है। अर्थशास्त्र का एक अनौपचारिक नियम, जिसका नाम हर्बर्ट स्टेन के नाम पर रखा गया है, के अनुसार, जो प्रवृत्तियां जारी नहीं रह सकतीं, वे नहीं रहेंगी। यह नियम राजनीतिक अस्तित्व पर भी लागू हो सकता है। ईरान की तरह इस्राइल में भी घरेलू कमजोरियां हैं, जिनमें से कुछ ही सात अक्तूबर से पहले न्यायिक सुधार को लेकर चल रहे प्रदर्शनों के रूप में सामने आई थीं। लेकिन ईरान के शासकों के लिए जोखिम अधिक गंभीर हैं। उन्होंने हमेशा इस्लामी क्रांति का अगुआ होने का दावा किया है, लेकिन लगता है कि वे यह भूल गए हैं कि क्रांतियां द्वारा उन्हीं मूल्यों को नुकसान पहुंचाने का इतिहास रहा है, जिनके लिए वे लड़ी गईं। बड़े पैमाने पर ईरान के लोग इस्लामवादी नहीं रहना चाहते। लेकिन खुद का अस्तित्व बचाए रखने के लिए कट्टर बने रहना इस्राइल की मजबूरी है और वह इसके लिए लड़ेगा।

बांग्लादेश को तोड़कर नया ईसाई देश बनाएगा अमेरिका?

ये प्लान भारत के लिए कैसे है बड़े खतरे का संकेत

बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना ने जब कहा कि अमेरिका हमें तोड़ने की कोशिश कर रहा है। शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश में सैन्य अड्डे के लिए बेचैन अमेरिका बांग्लादेश और म्यांमार से नया देश बनाने की साजिश रच रहा है। अपने वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा अमेरिका अब छोटे देशों पर अपनी बादशाहत मनवाकर दुनिया को अपनी ताकत का अंदाजा कराएगा? अमेरिका के मित्र राष्ट्र और दुश्मन तो मान नहीं रहे। भारत पर भी इसने अपने ट्रैप को फेंका था, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं दिखा। ऐसे में बाइडेन की मुसीबतें बढ़ी है। लेकिन अमेरिका की उम्मीदें ऐसे देश पर आकर टिकी है जो भारत का पड़ोसी है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने अपने बयान से देश–दुनिया को चौंका दिया। बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना ने जब कहा कि अमेरिका हमें तोड़ने की कोशिश कर रहा है। शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश में सैन्य अड्डे के लिए बेचैन अमेरिका बांग्लादेश और म्यांमार से नया देश बनाने की साजिश रच रहा है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पार्टी मीटिंग में कहा कि एक गोरा आदमी हमसे चाहता है कि हम उन्हें एक बेस बनाने दें। इतना ही नहीं धर्म के आधार पर एक नया देश बनाए। शेख हसीना ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देश एक ईसाई बहुल मुल्क बनाने की साजिश रच रहे हैं। इसे बनाने के लिए बांग्लादेश, म्यांमार और कुछ हिस्सा भारत का भी शामिल करके इसे बनाया जाएगा। इसे बनाने के लिए ईस्ट तिमोर का मॉडल कॉपी किया जाएगा। बांग्लादेश की पीएम का कहना है कि अमेरिका कुकी चिन, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट के साथ मिलकर कुछ ऐसे प्लानिंग कर रहा है। 18 वीं शताब्दी में पुर्तगाल द्वारा उपनिवेशित किया गया था और 1975 तक उसके नियंत्रण में रहा। जब पुर्तगाली वापस चले गए , तो इंडोनेशिया के सैनिकों ने आक्रमण कर पूर्वी तिमोर को उसके 27 वें प्रांत के रूप में अपने में मिला लिया। स्वतंत्रता के लिए एक लंबा और खूनी संघर्ष चला, जिसके दौरान कम से कम 1,00,000 लोग मारे गए। 1999 में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में हुए जनमत संग्रह में पूर्वी तिमोरवासियों ने स्वतंत्रता के पक्ष में मतदान किया, लेकिन इसके हिंसा और भी बढ़ गई, जब तक कि शांति सेना को प्रवेश की अनुमति नहीं दे दी गई। देश को 2002 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी । भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कुछ ऐसे ही ग्रुप हैं, जिनके अपने हित हैं। जिसे चीन व अन्य देशों की तरफ से हवा दी जाती रहती है। लेकिन ये फैली हुई आग अब बॉर्डर क्रॉस करके बांग्लादेश तक पहुंच चुकी है। म्यांमार एक बौद्ध बहुल देश है। बांग्लादेश में मुस्लिम अधिक संख्या में है। भारत के पूर्वोत्तर राज्य में बहुत से राज्यों की डेमोग्राफी काफी भिन्न है। मिजोरम में ईसाई समुदाय ज्यादा संख्या में है। मणिपुर में 40 प्रतिशत ईसाई हैं। कुकी जनजाति ईसाई बहुल है। चिन से भी ईसाई जनजाति माइग्रेट होकर वहां गई है। मिजोरम से असम कनेक्ट है। यहीं से उल्फा यानी यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट का रोल शुरू हो जाता है। उल्फा से एक अलग देश की मांग उठाने की साजिश है। कुकी नेशनल फ्रंट को अमेरिका बांग्लादेश में एक नया देश बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। दरअसल, दुनिया के 80 देशों में अमेरिका के 175 से अधिक बेस बने हुए हैं। यहां अमेरिकी फोर्स मौजूद हैं। दुनियाभर में अमेरिका के दो लाख सैनिक की मौजूदगी है। अमेरिका दुनिया पर कंट्रोल करने के लिए एक विशेष क्षेत्र में अपना बेस बनाकर छोड़ देता है। लेकिन म्यांमार, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश हो या भारत अमेरिकी बेस की मौजूदगी नहीं है। इस पूरे इलाके को संवेदनशील माना जाता है। अमेरिका चीन को काउंटर करने के लिए ऐसी प्लानिंग कर रहा है। वाशिंगटन की नजर कई वर्षों से बंगाल की खाड़ी में मौजूद एक छोटे से द्वीप सेंट मार्टिन पर है, जो बांग्लादेश के सबसे दक्षिणी भाग का हिस्सा है। केवल 3 किलोमीटर क्षेत्रफल वाला यह द्वीप कॉक्स बाजार–टेकनॉफ प्रायद्वीप से लगभग 9 किमी दक्षिण में स्थित है। बांग्लादेश एयरफोर्स के स्क्वाड्रन लीडर (रिटायर्ड) सदरुल अहमद खान ने स्पुतनिक इंडिया से कहा, श्वाशिंगटन तब तक समर्थन देने के लिए तैयार है, जब तक यह शांति–रक्षा अभियानों, मानवीय सहायता या सैन्य अभ्यास तक सीमित है।श खान ने बताया कि अमेरिका लंबे समय से सेंट मार्टिन द्वीप पर नौसैनिक अड्डा स्थापित करने की मांग कर रहा है। बांग्लादेश ऐसी सैन्य महत्वाकांक्षाओं की निंद करता है जो हमारी संप्रभुता को नष्ट कर देगी और दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता को प्रभावित करेगी। भारत और चीन दोनों न केवल बांग्लादेश के साथ उनके मजबूत आर्थिक संबंधों के कारण, बल्कि क्षेत्र में उनकी व्यापक प्रतिद्वंद्विता के मद्देनजर भी। ढाका दो एशियाई दिग्गजों से साझेदारी की अपेक्षाओं को कैसे प्रबंधित करता है यह महत्वपूर्ण है, और इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नजर रखी जाएगी। 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत का समर्थन चीन के पाकिस्तान के समर्थन के विपरीत है। इस इतिहास के बावजूद, व्यावहारिकता इन पड़ोसियों के साथ बांग्लादेश के वर्तमान संबंधों को आकार देती है। भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2021–22 में 15 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया। भारत बांग्लादेश को एक महत्वपूर्ण पूर्वी बफर के रूप में मान्यता देता है, और राष्ट्रीय विकास के लिए आवश्यक बंदरगाहों और पावर ग्रिड पहुंच में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है। ऐतिहासिक संबंध और भौगोलिक निकटता एक सहजीवी व्यापार संबंध को बढ़ावा देते हैं। दूसरी ओर, चीन के साथ बांग्लादेश का दोतरफा व्यापार 2022 में 25 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया।

देश में होने वाली है स्पेक्ट्रम की नीलामी, 20 वर्षों के लिए मिलेगा, जीएसटी का करेंगी टेलीकाम कंपनी भुगतान

देश के कई एक्टिव टेलीकॉम सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनियां ने अपनी कमर कस ली है। इस बार टेलीकॉम प्रोवाइड कंपनियां जैसे भारतीय एयरटेल, रिलायंस जिओ इन्फोकॉम, वोडाफोन आइडिया जैसी टेलीकॉम सर्विस कंपनियां ने 8 स्पेक्ट्रम के लिए तैयारी शुरू कर दी है। आगामी 20 वर्षों के लिए आठ प्रकार के स्पेक्ट्रम बैंड के लिए यह सभी कंपनियां बोली लगा सकेंगे। इस बंद की बोली लगाने के बाद आने वाले समय में यूजर्स को 5जी सर्विस में भी अच्छा बंद इंफ्रास्ट्रक्चर मिल सकेगा। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस मोबाइल फोन सर्विस के लिए आठ स्पेक्ट्रम बैंड कि स्पेक्ट्रम नीलामी 6 जून को होगी। इस बार नीलामी की बेस प्राइज को 96,317 करोड़ रुपये रखा गया है। स्पेक्ट्रम बंटवारा पूरे 20 वर्षों के लिए होगा। जो भी बोली लगाने में कंपनी सफलता हासिल करेगी, उसे मेगा ऑक्शन में 20 सालाना किस्तों में एक प्रकार की पेमेंट करनी होगी। फ्रीक्वेंसी की कुल वैल्यू 96,317 करोड़ रुपये है जिसकी नीलामी की जाएगी। टेलीकॉम विभाग के अधिकारी का कहना है कि टेलीकॉम कंपनियां को स्पेक्ट्रम फीस का भुगतान करना होगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 29 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

4 जून के बाद विदेश में छुट्टियां मनाएंगे राहुल, गीत जाते नजर आएंगे अखिलेश यादव, गिरिराज सिंह का तंज

लखनऊ 28 मई (सं0) केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी शायद विदेश में छुट्टियां मनाने जाएंगे। वहीं, 4 जून को लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद भी अखिलेश यादव गाते नजर आएंगे। सोमवार को वाराणसी में सिंह ने कहा, छठे चरण में हम 400 का आंकड़ा छूने वाले हैं और सातवें चरण में हम 400 का आंकड़ा पार करने वाले हैं और उस दिन अखिलेश यादव गाने गाएंगे और राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं पर जाएंगे क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। यह देश मजबूर सरकार नहीं, मजबूत सरकार चाहता है।" सोमवार को वाराणसी में गिरिराज सिंह ने कहा कि छठे चरण में हम 400 का आंकड़ा छूने वाले हैं और सातवें चरण में हम 400 का आंकड़ा पार करने वाले हैं और उस दिन अखिलेश यादव गाने गाएंगे और राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं पर जाएंगे क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। यह देश मजबूर सरकार नहीं, मजबूत सरकार चाहता है। पीएम के कार्यकाल के दौरान वाराणसी में किए गए विकास कार्यों के बारे में बात करते हुए सिंह ने कहा, "वाराणसी काशी की भूमि है और जो भी यहां आता है वह बाबा विश्वनाथ के आदेश पर ही आता है। पीएम मोदी यहां से चुनाव लड़ रहे हैं...सिर्फ विकास को तवज्जो दी गई है। पीएम मोदी द्वारा किए गए विकास की चर्चा हो रही है...।ष उन्होंने कहा कि लोग उत्साहित हैं।

सिर्फ विकास को महत्व दिया गया है। पीएम मोदी द्वारा किये गये विकास की चर्चा हो रही है। वाराणसी भाजपा और प्रधान मंत्री मोदी के लिए एक गढ़ के रूप में खड़ा है, जो इसे आगामी लोकसभा चुनावों में प्रत्याशा का केंद्र बिंदु बनाता है। पीएम मोदी ने 2014 और 2019 दोनों आम चुनावों में निर्वाचन क्षेत्र में महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ अजय राय को अपना उम्मीदवार बनाया है, जो संयुक्त विपक्षी भारत गुट का प्रतिनिधित्व करते हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय इससे पहले 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान वाराणसी में पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं और दोनों बार तीसरे स्थान पर रहे थे। यह तीसरी बार है जब राय लोकसभा चुनाव में मोदी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

अग्निवीर योजना को लेकर राहुल के बयान पर भड़के केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, बोले- उन्हें पहले सेना की सेवा करनी चाहिए

लखनऊ 28 मई (सं0)। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर अग्निवीर योजना को रद्द करने की उनकी हालिया टिप्पणी के लिए तीखा हमला बोला। राहुल गांधी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि अग्निवीर योजना ने सैनिकों को महज मजदूर बना दिया है, जनरल सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा, ष्मैं राहुल गांधी को सलाह देना चाहता हूं कि उन्हें पहले सेना में काम करना चाहिए और फिर अग्निवीर योजना के बारे में कोई बयान देना चाहिए। अगर वह सेना को नहीं जानते तो कुछ भी कहना ठीक नहीं है। राहुल गांधी ने केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भारत के सैनिकों को मजदूरों में बदलने का आरोप लगाया था और 4 जून को सत्ता में आने के बाद अग्निवीर योजना को खत्म करने का वादा किया था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आदतन झूठे हैं। उन्होंने कहा, ष्यह अरविंद केजरीवाल की खूबी है कि वह इस तरह झूठ बोलते हैं जैसे सच बोल रहे हों। लेकिन लोग सच देख सकते हैं।ष इससे पहले राहुल गांधी ने केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भारत के सैनिकों को मजदूरों में बदलने का आरोप लगाया था और 4 जून को सत्ता में आने के बाद अग्निवीर योजना को खत्म करने का वादा किया था। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि हरियाणा और अन्य राज्यों के युवा भारत की सीमाओं की रक्षा करते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') सत्ता में आएगा तो सेना में अल्पकालिक भर्ती की अग्निपथ योजना को रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा ''जब 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनेगी तो अग्निपथ योजना को रद्द कर दिया जाएगा।'' राहुल बार–बार कह रहे हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी और उनके कार्यालय ने अग्निवीर योजना देश पर थोप दी है। वह चाहते हैं कि जवानों की पेंशन और कैंटीन सुविधाओं में लगने वाला पैसा रक्षा अनुबंधों के रूप में अडानी के पास जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना पर झूठा प्रचार कर रहे हैं। शाह ने कहा कि 25 प्रतिशत अग्निवीरों को सेना में स्थायी नियुक्ति मिलेगी, जबकि शेष 75 प्रतिशत को राज्य सरकार और अर्धसैनिक बलों में आरक्षण दिया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा, इसलिए, कोई विरला अग्निवीर होगा जिसे नियोजित नहीं किया जाएगा। शाह ने कहा कि गांधी अग्निवीर पर गलत प्रचार कर रहे हैं और झूठ बोलकर मुद्दा बना रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा, "राहुल ने झूठ को चुनावी मुद्दा बनाने की परंपरा शुरू की है और अग्निवीर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।"

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव का दावा, नरेंद्र मोदी की विदाई तय, इंडिया गठबंधन के पक्ष में पूरा लहर है

लखनऊ 28 मई (सं0)। राजद राज्य की राजधानी के आसपास के ग्रामीण इलाकों को कवर करने वाले बिहार के पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र पर इस बार जीत दर्ज करते की कोशिश कर रहा है। यह निर्वाचन क्षेत्र 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया और एक साल बाद लोकसभा चुनाव में, राजद के संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद ने खुद मैदान में उतरने का फैसला किया, लेकिन उन्हें अपने पूर्व करीबी सहयोगी रंजन यादव के हाथों चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। 2024 और 2019 में लालू यादव ने इस सीट से अपनी सबसे बड़ी बेटी मीसा भारती को उम्मीदवार बनाया। हालांकि, वह दोनों बार कभी लालू के बेहद करीबी रहे राम कृपाल यादव से हार गईं।आज लालू यादव पहली बार क्षेत्र में निकले भी थे। लालू ने दावा किया कि हमें जल्द ही नतीजे पता चल जायेंगे। पीएम मोदी तो अब चले गए। पीएम मोदी कह रहे हैं कि वह जैविक नहीं, श्अवतारश हैं...4 जून को हमारी सरकार बनेगी। इस बार लालू ने यहां से मीसा भारती को उम्मीदवार बनाया है। आज लालू यादव पहली बार क्षेत्र में निकले भी थे। लालू ने दावा किया कि हमें जल्द ही नतीजे पता चल जायेंगे। पीएम मोदी तो अब चले गए। पीएम मोदी कह रहे हैं कि वह जैविक नहीं, श्अवतारश हैं... 4 जून को हमारी सरकार बनेगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मोदी गए अब... हम तो बिहार की 40 की 40 सीटें जीतेंगे। इस बार नरेंद्र मोदी की विदाई तय है। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन के पक्ष में पूरा लहर है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद)नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए ''एक और मुख्यमंत्री कार्यकाल'' की कामना करना राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)की ''निश्चित हार'' को इंगित करता है। तेजस्वी, नीतीश कुमार की एक चुनावी सभा के दौरान जुबान फिसलने और यह कहने कि वे चाहते हैं कि एक बार फिर नरेन्द्र मोदी जी मुख्यमंत्री बनें का संदर्भ दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ''कभी ना कभी तो अंदर की बात सामने आ ही जाती है। मोदी फिर से प्रधानमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं।'' बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पटना साहिब संसदीय क्षेत्र के बख्तियारपुर, पाटलिपुत्र के पालीगंज और आरा के जगदीशपुर में महागठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी रैलियों को संबोधित किया।

दिग्गजों की लड़ाई भी नहीं रिझा पाई वोटरों को, अयोध्या मंडल में वोटिंग के मामले में अमेठी फिसड्डी

लखनऊ 28 मई (सं0)। अमेठी और सुल्तानपुर में दिग्गजों का दंगल भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर सका है। अमेठी से स्मृति ईरानी तो सुल्तानपुर से मेनका गांधी भाजपा की प्रत्याशी रहीं। मंडल की जिन दो सीटों पर देश के नामचीन नेता ताल ठोक रहे थे उस अमेठी और सुल्तानपुर में मतदाताओं ने वोटिंग में खास रुचि नहीं दिखाई। नतीजा यह रहा कि अमेठी मंडल में जहां सबसे फिसड्डी रहा वहीं सुल्तानपुर भी चौथे नंबर पर रहा। कम मतदान के पीछे जहां राजनीतिक दलों की रणनीतिक कमजोरी मानी जा रही है तो वहीं प्रशासन की ओर से चलाए कार्यक्रम भी विफल नजर आए। अयोध्या मंडल में पूर्ण रूप से कुल पांच संसदीय सीटें हैं। फैजाबाद, बाराबंकी, अयोध्या, अमेठी और सुल्तानपुर। इसमें से अमेठी सीट पूरे देश में चर्चा का विषय रही। क्योंकि यहां से कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा मैदान में थे तो उनकी टक्कर केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी से थी। इस सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही अपनी पुरजोर ताकत लगाई थी। किंतु मतदाताओं को यह मुकाबला शायद रास नहीं आया। इसलिए वोट देने के लिए पूरे मंडल में सबसे कम मतदाता निकले और मतदान का प्रतिशत केवल 54.34 फीसदी ही रह गया। मंडल की दूसरी सबसे चर्चित सीट सुल्तानपुर थी, जहां देश की सबसे अनुभवी मौजूदा लोकसभा सदस्य मेनका गांधी चुनाव मैदान में उतरी थीं। भाजपा ने जिस तरह से उनके बेटे वरुण गांधी का टिकट काटा था, उसे देखते हुए भी इस सीट पर पूरे देश की नजरें टिकी थीं। उनके मुकाबले भले ही कोई भारी भरकम चेहरा मैदान में नहीं था, किंतु माना जा रहा था कि मेनका के लिए यहां भारी मतदान हो सकता है। किंतु इस सीट पर पर भी मतदाताओं ने अरुचि दिखाई और कुल 55.5 फीसदी मतदाताओं ने ही यहां वोट डाले। इस तरह यह सीट मतदान में अमेठी से भले ही आगे रही, लेकिन फैजाबाद, बाराबंकी और अंबेडकरनगर के मुकाबले बेहद पीछे रह गई। अमेठी और सुल्तानपुर में जिस तरह से मतदान कम हुआ है। इसे चुनाव आयोग की ओर से चलाए गए जागरूकता कार्यक्रमों की भी विफलता माना जा रहा है। आयोग की ओर से कार्यक्रम तो बहुतेरे कराए गए, लेकिन वे जनता को जोड़ने में सफल नहीं हो पाए। सुल्तानपुर के उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव शुक्ला कहते हैं कि गर्मी ज्यादा होने का असर भी पड़ा है। स्वीप के तहत जनता को जोड़ने के लिए बहुत प्रयास किए गए थे।

नीतीश कुमार फिर मारेंगे पलटी? तेजस्वी के नए बयान से खलबली, बोले– 4 जून के बाद बड़ा फैसला ले सकते हैं चाचा

लखनऊ 28 मई (सं0)। लोकसभा चुनाव को लेकर हलचल लगातार जारी है। बिहार में भी आखिरी चरण में चुनाव होने हैं। इन सब के बीच पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नीतीश चाचा पिछड़ों की राजनीति और पार्टी बचाने के लिए कोई भी बड़ा फैसला 4 जून के बाद ले सकते हैं। तेजस्वी के इस बयान से बिहार की राजनीति में खलबली मच गई है। हालांकि, नीतीश कुमार लगातार यह कह रहे हैं कि अब वह इधर–उधर कहीं नहीं जाएंगे। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नीतीश चाचा पिछड़ों की राजनीति और पार्टी बचाने के लिए कोई भी बड़ा फैसला 4 जून के बाद ले सकते हैं। तेजस्वी के इस बयान से बिहार की राजनीति में खलबली मच गई है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार की प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक और ष्सीएम कार्यकालष की कामना करने से एनडीए खेमे में ष्आसन्न हार की भावनाष दिखाई देती है। यादव रविवार को पाटलिपुत्र लोकसभा सीट पर एक चुनावी रैली में जद (यू) सुप्रीमो की गलती का जिक्र कर रहे थे, जब उन्होंने पीएम मोदी, जो पीएम बनने से पहले गुजरात की कमान संभाल रहे थे, को फिर एक बार मुख्यमंत्री बनने की कामना की थी। मंच पर मौजूद अन्य नेताओं को गलती का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपना बयान सुधारा। यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मंच साझा करते हुए जगदीशपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा दिल की बात जुबान पे आ जाती है। सीएम ने जो कहा वह सही है. ..मोदी जी दोबारा पीएम नहीं बनने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि हमारे आदरणीय चाचा जी (नीतीश) दिल से चाहते हैं कि बीजेपी को केंद्र की सत्ता से हटाया जाए ताकि बिहार बिना किसी पक्षपात के विकास करे। हम उनके अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। नीतीश जी पहले कहते थे कि जो चौदह (2014) में आए हैं, वे चौबीस (2024) में जाएंगे। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए पूरी तरह से हार जाएगी।

ससुर के बोए कांटे बहू की राह में बन रहे शूल... सपा ने यहां भाजपा के पूर्व सांसद पर खेला दांव मुकाबला रोचक

लखनऊ 28 मई (सं0)। पिछले दो चुनावों में रॉबर्ट्सगंज (सुरक्षित) सीट पर आसानी से जीत दर्ज करने वाले राजग की प्रत्याशी रिंकी कोल (अपना दल–एस) को इस बार कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा रहा है। इसके पीछे दो प्रमुख वजहें हैं। एक तो यह कि मिर्जापुर की तर्ज पर सपा ने इस सीट पर भी भाजपा के पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार जैसे कद्दावर प्रत्याशी को उतारकर कड़ी चुनौती पेश की है। छोटेलाल ने 2014 में इसी सीट से भगवा परचम फहराया था। दूसरी चुनौती रिंकी के ससुर और अपना दल (एस) के मौजूदा सांसद पकौड़ी लाल के उन बयानों से मिल रही है, जो उन्होंने पिछले दिनों सवर्णों के खिलाफ दिए थे। यानी ससुर के बोए कांटे बहू की राह में शूल बनते दिख रहे हैं। बसपा ने भी धनेश्वर गौतम को मैदान उतारकर सबसे अधिक मुश्किलें रिंकी कोल के लिए पैदा की हैं।

बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और झारखंड की सीमा से सटे सोनभद्र जिले को बालू और पत्थरों की खदानों और अन्य खनिज भंडारों के चलते सोनांचल कहा जाता है। वहीं, पावर हब होने के कारण इस जिले को देश की ऊर्जा राजधानी भी कहते हैं। इसके बावजूद हर चुनाव में बड़ा मुद्दा जिले का विकास ही रहता है। विस्थापन, पुनर्वास, पलायन, रोजगार और पिछड़ेपन को लेकर भी खूब सवाल उठते हैं। पर, चुनावी रथ आगे बढ़ते ही इन सबकी गूंज मंद पड़ चुकी है। कड़वा सच तो यह है कि जब चुनाव जातीय समीकरणों पर हो रहे हों, तो मुद्दे गौण हो जाते हैं। रॉबर्ट्सगंज सीट 2019 से राजग में शामिल अपना दल (एस) के खाते में है। चुनाव अंतिम दौर में पहुंचते–पहुंचते मुख्य मुकाबला अपना दल (एस) और सपा के बीच सिमट गया है। बहरहाल छोटेलाल खरवार के मैदान में उतरने से इस बार स्थानीय बनाम बाहरी प्रत्याशी का मुद्दा भी उछाला जा रहा है।

रॉबर्ट्सगंज सदर विधानसभा क्षेत्र के नई बाजार के रहने वाले राम सजीवन सुशवाहा कहते हैं, रिंकी कोल से मिलने के लिए मिर्जापुर जाना होगा, जबकि छोटे लाल स्थानीय हैं। वहीं, जीऊत खरवार छोटेलाल को सजातीय होने के साथ ही जनता के बीच रहने वाला नेता बताते हैं। अमर उजाला की टीम पन्नूगंज बाजार पहुंची तो यहां चाय की दुकान पर चुनावी चर्चा चल रही थी। टीम भी उसमें शामिल हो गई। सांसद की ही बिरादरी के भुलेटन कोल कहते हैं, पांच साल हो गए लेकिन आज तक उनको (सांसद) नहीं देखा। बात को बढ़ाते हुए राम दुलारे मौर्य कहते हैं, हमारे गांव तो वे सिर्फ वोट मांगने आए थे, इसके बाद उनके दर्शन नहीं हुए। गांव की सड़क के लिए कई बार उनसे मिलने गए, लेकिन मुलाकात नहीं हुई। सवर्णों के बारे में रिंकी कोल के ससुर की आपत्तिजनक टिप्पणी वाले ऑडियो को भी विपक्ष हमले के लिए हथियार बना रहा है। घोरावल बाजार में मिले प्रभु दयाल चुनावी माहौल के सवाल पर पकौड़ी लाल कोल का ऑडियो सुनाने लगते हैं। वह कहते हैं, अब यह सब सुनने के बाद भी हम कैसे सांसद के परिवार के बारे में सोचें। पास में बैठे चतुरी तिवारी भी प्रभु दयाल की बातों का समर्थन करते हैं।

रवि किशन का दावा– लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद समाप्त हो जाएगा आधा दर्जन विपक्षी दलों का अस्तित्व

लखनऊ 28 मई (सं0)। रवि किशन ने कहा कि मैं हमेशा भोजपुरी बोलता हूं...मेरे भाषण भोजपुरी में होते हैं। यह हमारी मातृभाषा है, हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी ने मुझे सुपरस्टार बना दिया। अभिनेता–राजनेता और गोरखपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रवि किशन ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद आधा दर्जन विपक्षी दलों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और उनके उम्मीदवार की जमानत जब्त हो जाएगी। भोजपुरी सुपरस्टार रवींद्र शुक्ला, जिन्हें रवि किशन के नाम से जाना जाता है, ने दावा किया कि अगर विपक्षी दल भारत सत्ता में आता है, तो वह देश को शरीयत के आधार पर चलाएगा। इसके साथ ही उन्होंने भोजपुरी भाषा को लेकर बड़ा दावा किया है। रवि किशन ने कहा कि मैं हमेशा भोजपुरी बोलता हूं...मेरे भाषण भोजपुरी में होते हैं। यह हमारी मातृभाषा है, हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी ने मुझे सुपरस्टार बना दिया। हमने भोजपुरी के लिए लड़ाई लड़ी और भाषा को (संविधान की) 8वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए एक विधेयक लाया गया। युवा अपनी पहचान नहीं छोड़ेंगे। गोरखपुर से मौजूदा सांसद और बीजेपी उम्मीदवार रवि किशन ने आगे कहा कि अगर हमें संविधान बदलना होता तो हम अपने पिछले कार्यकाल में ही ऐसा कर चुके होते जब हमारे पास पूर्ण बहुमत था। भोजपुरी अभिनेता ने कहा कि मैं अपनी बात कहता हूं कि संविधान के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। संविधान मजबूत होगा। उनकी अफवाहों पर विश्वास न करें। लेकिन अब जब विपक्ष ने श्री राम मंदिर पर ताले लगाने की बात कही है तो इसका जवाब आपको 4 जून को मिलेगा। गोरखपुर सीट पर, जहां 1 जून को लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में मतदान होना है, सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद और अभिनेता से नेता बने रवि किशन शुक्ला को फिर से मैदान में उतारा है, जो समाजवादी पार्टी (सपा) की काजल निषाद के साथ सीधी लड़ाई में हैं। काजल एक भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री भी हैं, जो सपा और कांग्रेस के बीच सीट–बंटवारे के समझौते के बाद विपक्षी भारत ब्लॉक के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं।

सातवें चरण से पहले सपा को बड़ा झटका, पार्टी छोड़ने की तैयारी में यह दिग्गज नेता, शाह से की मुलाकात

लखनऊ 28 मई (सं0)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से कुछ दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के लिए एक और झटका सामने आया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता नारद राय ने श्एक्सश पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा की। राय, जो दिवंगत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते थे, ने अमित शाह के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर साझा की, जो निकट भविष्य में संभावित दलबदल का संकेत देती है। मुलाकात के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर भी मौजूद रहे। राय, जो दिवंगत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते थे, ने अमित शाह के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर साझा की, जो निकट भविष्य में संभावित दलबदल का संकेत देती है। मुलाकात के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर भी मौजूद रहे। एक्स को संबोधित करते हुए, राय ने प्रधान मंत्री मोदी को एक ऐसा नेता बताया, जिन्होंने वैश्विक मंच पर देश को प्रशंसा दिलाई है और अमित शाह को ष्राजनीति का चाणक्यष कहा, दोनों हस्तियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि "पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को मजबूत करने के उनके संकल्प और राष्ट्रवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे। जय श्री राम।" राय के हालिया कार्य और बयान उनकी राजनीतिक निष्ठा में संभावित बदलाव का संकेत देते हैं, एक ऐसा विकास जो चुनाव के महत्वपूर्ण चरण से ठीक पहले समाजवादी पार्टी की स्थिति को और चुनौती दे सकता है। नारद राय तीन दशक से अधिक समय से राजनीति में हैं और उत्तर प्रदेश में भूमिहार समुदाय के बड़े नेता माने जाते हैं।

लोकसभा चुनाव के बीच केजरीवाल सरकार को बड़ा झटका, मंत्री आतिशी को कोर्ट ने भेजा समन

लखनऊ 28 मई (सं0)। अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने पर आदेश सुनाने के लिए 4 जून की तारीख तय की है। आतिशी एवं अरविंद केजरीवाल द्वारा भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने का आरोप लगाया था जिसके विरूद्ध में प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के एसीएमएम ने दिल्ली भाजपा के मीडिया विभाग के प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर द्वारा दिल्ली की मंत्री आतिशी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने दिल्ली की मंत्री आतिशी को 29 जून को अदालत में पेश होने के लिए बुलाया है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने उत्पाद शुल्क नीति मामले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ दायर ईडी की पूरक चार्जशीट (अभियोजन शिकायत) पर आदेश सुरक्षित रख लिया है।

अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने पर आदेश सुनाने के लिए 4 जून की तारीख तय की है। आतिशी एवं अरविंद केजरीवाल द्वारा भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने का आरोप लगाया था जिसके विरूद्ध में प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। आतिशी को पहले उनके इस दावे के बाद भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा नोटिस दिया गया था कि पार्टी में शामिल होने के लिए एक भाजपा नेता ने उनसे संपर्क किया था और उन्हें रिश्वत दी थी। यह उस समय की बात है जब आतिशी उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद केंद्र में आ गई थीं।

बच्चों के अस्पताल में आग के बाद एक्शन में आप सरकार, दिल्ली के सभी अस्पतालों में हो फायर आडिट

लखनऊ 28 मई (सं0)। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ दिल्ली सचिवालय में एक बैठक के बाद भारद्वाज ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल आग की घटनाओं से निपटने के लिए सुसज्जित हों। अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक शनिवार देर रात लगी आग के बाद शहर के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। विवेक विहार में एक नवजात शिशु देखभाल केंद्र में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत के एक दिन बाद, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के सभी अस्पतालों को अग्नि सुरक्षा ऑडिट करने और 8 जून तक राज्य स्वास्थ्य विभाग को अनुपालन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ दिल्ली सचिवालय में एक बैठक के बाद भारद्वाज ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल आग की घटनाओं से निपटने के लिए सुसज्जित हों। अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक शनिवार देर रात लगी आग के बाद शहर के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। भारद्वाज ने कहा कि नियम है कि 9 मीटर से कम ऊंचाई वाले अस्पतालों को फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) की आवश्यकता नहीं है। यही कारण है कि इस अस्पताल के पास फायर एनओसी भी नहीं थी. अब, हमने निर्देश जारी किए हैं कि सभी अस्पतालों, चाहे एक मंजिला या दो मंजिला, उनके परिसर में आग से निपटने के लिए सभी सुरक्षा इंतजाम होने चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी अस्पतालों में उनकी ऊंचाई की परवाह किए बिना जल छिड़काव प्रणाली और स्वचालित धुआं डिटेक्टर स्थापित किए जाएं ताकि आग को इमारत में फैलने से रोका जा सके। दिल्ली के अस्पताल की कहानी भी ज्यादा कुछ अलग नहीं है। विवेक विहार स्थित बेबी केयर न्यू बोर्न हॉस्पिटल में भीषण आग लग गई और जल्द ही आसपास की दो इमारतों में फैल गई। इस घटना में कम से कम सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। अस्पताल भी सुरक्षा नियमों का पालन करने को लेकर भी सवालों के घेरे में है। दिल्ली पुलिस के अनुसार इसमें पर्याप्त सुरक्षा उपायों का अभाव था और यह एक्सापयर हो चुके लाइसेंस पर चल रहा था।

बसपा के लिए आसान नहीं 7वें चरण का चक्रव्यूह भेद पाना... पिछले चुनाव में इन दो सीटों पर हाथी पड़ा था भारी

लखनऊ 28 मई (एजेन्सी)। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण का चक्रव्यूह इस बार काफी पेचीदा हो गया है। बहुजन समाज पार्टी ने पिछले चुनाव में इन दो सीटों पर बाजी मारी थी। लेकिन इस बार हाथी की राह आसान नहीं है। बहुजन समाज पार्टी के लिए सातवें चरण का चक्रव्यूह इस बार काफी पेचीदा है। पिछले चुनाव में घोसी और गाजीपुर में हाथी सब पर भारी पड़ा था। हालांकि पार्टी ने प्रत्याशियों के चयन में काफी सावधानियां बरती हैं, फिर भी बदले समीकरणों में पिछले प्रदर्शन को दोहरा पाना आसान नहीं है।

पिछला लोकसभा चुनाव सपा और बसपा ने मिलकर लड़ा था। बसपा ने पांच सीटों पर, जबकि सपा ने आठ पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। गाजीपुर में 51.2 फीसदी और घोसी में 50.3 फीसदी वोट शेयर के साथ उसे जीत मिली थी। जबकि देवरिया में 32.57 फीसदी, बांसगांव में 40.57 फीसदी और सलेमपुर में 38.52 फीसदी वोट शेयर के साथ हाथी दूसरे स्थान पर था। ये आंकड़े बताते हैं कि गठबंधन का बसपा को फायदा मिला था। गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी इस बार सपा से चुनाव मैदान में हैं, जबकि घोसी के सांसद अतुल कुमार सिंह को बसपा सुप्रीमो पार्टी से बाहर कर चुकी हैं।

पार्टी ने इस बार सभी 13 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। गाजीपुर से डॉ. उमेश कुमार सिंह और घोसी से पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भरोसा जताया है। बसपा ने प्रत्याशियों के चयन में सोशल इंजीनियरिंग का बखूबी इस्तेमाल किया है। हाथी भले ही कमाल न दिखा पाए, लेकिन सोशल इंजीनियरिंग के बूते प्रतिद्वंद्वियों की मुश्किलें जरूर बढ़ाएगा। पार्टी ने वाराणसी में अतहर जमाल लारी को प्रत्याशी बनाया है, जो मुस्लिम वोटबैंक को सपा–कांग्रेस गठबंधन की तरफ जाने से रोकने में जुटे हैं। इसी तरह महराजगंज और गोरखपुर में भी मुस्लिमों को टिकट दिया गया है। यही नहीं, देवरिया और बलिया सीट पर यादव प्रत्याशी उतारे हैं। पिछले चुनाव में बसपा ने देवरिया में विनोद कुमार जायसवाल को टिकट दिया था, जिन्हें भाजपा के रमापति राम त्रिपाठी ने करीब ढाई लाख वोटों से हराया था। इस बार शशांक मणि त्रिपाठी भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

बसपा ने सलेमपुर में अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को टिकट दिया है। पिछले चुनाव में सलेमपुर से रविंदर बसपा के प्रत्याशी थे, जिन्हें भाजपा के राजेश कुमार मिश्रा ने करीब 1. 13 लाख वोटों से शिकस्त दी थी। भीम राजभर भाजपा की चुनौतियां बढ़ाते दिख रहे हैं। वहीं, बांसगांव सुरक्षित सीट से सदल प्रसाद की जगह डॉ. राम समुझ को मौका दिया गया है। सदल प्रसाद कांग्रेस के टिकट पर मैदान में हैं, जबकि भाजपा ने अपने तीन बार के सांसद कमलेश पासवान को फिर से मैदान में उतारा है। यहां भी भाजपा की चुनौतियां बढ़ेंगी।

केमिकल गोदाम में भीषण आग, मालिक व कर्मचारी बमुश्किल बचे, देरी से पहुंची फायर बिग्रेड.. लोग आक्रोशित

मुरादाबाद 28 मई (एजेन्सी)। शेरुआ धर्मपुर में सोमवार दोपहर केमिकल की बोतलें भरते समय तेज धूप के कारण गोदाम में आग लग गई। बोतल भर रहे मालिक कपिल और तीन नाबालिग कर्मचारी गोदाम में फंस गए। कर्मचारियों गोदाम से निकालने में कपिल झुलस गया। पुलिस ने उनका एक निजी अस्पताल में उपचार कराया। तीनों बालक सुरक्षित होने से परिजनों ने राहत की सांस ली। सिविल लाइंस थानाक्षेत्र के दीनदयाल नगर निवासी कपिल अनेजा पुत्र रामजी दास अनेजा मूल रूप से बदायूं के मोहल्ला शेख पट्टी के रहने वाले हैं। कपिल के मुताबिक छह माह पहले उन्होंने शेरुआ धर्मपुर निवासी अनुज चौधरी की दो दुकानें किराये पर लेकर तारपीन के तेल का गोदाम शुरू किया था। यहां से वह शहर में कई छोटी बड़ी दुकानों पर पेंट में इस्तेमाल करने के लिए तारपीन के तेल की सप्लाई करते हैं। कपिल के अनुसार सोमवार सुबह गोदाम में प्लास्टिक की बोतलें खत्म हो गई थी। दोपहर करीब तीन बजे बोतलों को टेंपो से गोदाम में लाया गया। कपिल दुकान पर काम करने वाले तीनों बालकों के साथ तेल की बोतलें भरने लगे। कपिल ने बोतलें भरने के लिए मशीन चलाई तो अचानक आग लग गई। तेल ने आग पकड़ ली। इससे कपिल के हाथ पैर फूल गए। उसने सबसे पहले तीनों बालकों को दुकान से बाहर निकाल। इस दौरान वह मामूली रूप से झुलस गए। इसके बाद गोदाम में आग भड़क गई। आग ने दुकान में रखा सारा समान जलाकर राख कर दिया। आग की लपटे देख कर गांव में आस पड़ोस में हड़कंप मच गया। सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने दमकल विभाग का टोल फ्री नंबर नहीं लगा तो पुलिस को घटना की सूचना दी। ग्रामीणों का कहना था कि दोपहर करीब साढ़े 3 बजे गोदाम में आग लगी थी। इसके 5 मिनट बाद पुलिस चौकी में कॉल की। उसके तीन मिनट बाद दमकल विभाग का नंबर लगा।आखिरी में डायल 112 और कॉल की। वहीं कॉल करने पर 45 मिनट देरी से दमकल की टीम पहुंची। 30 मिनट बाद चौकी से पुलिस पहुंची। ऐसे में अगर कोई बड़ा हादसा होता तो इसका जिम्मेदार कौन होता। पुलिस और दमकल की टीम के देर से आने पर ग्रामीण काफी आक्रोशित थे। कपिल के साथ आग में फंसे तीनों बालक नाबालिग थे। कपिल इनको हर माह 2–2 हजार रुपये देते हैं। सोमवार को चारों लोग बोतलें भर रहे थे। इसी दौरान आग लग गई और चारों आग में फंस गए। गनीमत रहीं कि सभी सलामत रहे। शेरुआ में एक केमिकल के गोदाम में आग की सूचना मिली थी। टीम ने आग पर काबू पा लिया था। फिलहाल आबादी के बीच चल रहे गोदाम की अनुमति और मानक की जांच कराई जाएगी

संभल में तेज धमाके के साथ फट गई आरसीसी रोड, इलाके के लोग रह गए हैरान.. गर्मी की तपिश को बता रहे कारण

संभल 28 मई (एजेन्सी)। संभल के गंवा में आरसीसी से बनी सड़क तेज धमाके के साथ फट गई। इससे आसपास के लोगों में दहशत मच गई। सड़क फटने की खबर मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। इसका कारण वह गर्मी को मान रहे हैं। गवां कस्बा में मुख्य मार्ग पर बनी आरसीसी सड़क तेज आवाज से साथ फट गई। धमाके जैसी आवाज सुन आसपास के लोग सहम गए। घरों से बाहर निकलकर देखा तो सड़क फटी मिली। कस्बा गवां में गवां–अनूपशहर मार्ग पर नखासा बाजार के नजदीक चार वर्ष पहले सीसी सड़क का निर्माण किया गया था। रविवार की दोपहर दो बजे के करीब सड़क तेज आवाज के साथ फट गई और जमीन से करीब 10 इंच ऊपर उठ गई। सड़क फटने के बाद देखने वालों की भीड़ लग गई। नगर पंचायत गवां की ईओ डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा ने बताया कि सड़क की अवधि पांच वर्ष तक है। सड़क कैसे फटी इसकी जांच कराई जाएगी। घटनास्थल के सामने मेडिकल स्टोर संचालक राजेश शर्मा ने बताया कि जिस वक्त सड़क तेज आवाज के साथ फटी उस समय गनीमत रही कोई वाहन सड़क से नहीं गुजर रहा था। यदि वाहन गुजर रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि अब इस हादसे के बाद लोगों में दहशत है। सड़क फटने की घटना से लोग अचंभित हो गए और मौके पर पहुंचकर तरह तरह की चर्चाएं करने लगे। इस दौरान लोगों ने यह भी कहा कि गर्मी जिस तरह से पिछले दस दिन से हो रही है उससे हो सकता है कि सड़क तपिश से फट गई हो। हालांकि सड़क कैसे और क्यों फटी इसकी सही जानकारी जांच के बाद ही हो सकेगी। हालांकि इस घटना से लोगों में दहशत है। क्योंकि जिस तरह की आवाज होने के बाद सड़क फटी है उससे ऐसा महसूस किया गया है कि कोई गैस बनने से यह हादसा हुआ है। सड़क फटने का मामला अचंभित करने वाला है। मुमकिन है कि सड़क में कहीं गैप रहा हो और गैस बनने से सड़क फट गई हो। सड़क कैसे फटी है, इसकी जांच के लिए इंजीनियर को भेजा है। जांच पड़ताल कराई जा रही है

नौतपा के चौथे दिन आग उगल रहीं सड़कें, जानवर भी बेहाल, घाटों पर सन्नाटा एक सप्ताह तक ऐसा ही रहेगा मौसम

लखनऊ 28 मई (एजेन्सी)। भीषण गर्मी के कारण सड़कों से लेकर घाट की तरफ भी सन्नाटा दिखा। काफी मजबूरी में ही लोग सड़कों पर निकलते दिखे। थोड़ी–थोड़ी दूरी का सफर करने के बाद छांव का सहारा ले रहे थे। नौतपा के चौथे दिन मंगलवार को गर्मी का नया रिकॉर्ड बन गया। दिन में तीखी धूप के साथ ही गर्म हवाओं के चलने से सड़क पर चलना भी मुश्किल हो गया है। स्थिति यह है कि केवल पैदल ही नहीं दो पहिया हो या चार पहिया से चलने वाले भी गर्मी से बेचैन हो गए। वाराणसी में दिन का तापमान दोपहर 3 तक 47 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जो कि इस सीजन का सर्वाधिक तापमान कहा जा रहा है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, अभी अगले एक सप्ताह तक गर्मी और धूप से किसी तरह की राहत की उम्मीद नहीं दिख रही है। राजस्थान से आने वाली गर्म हवाओं ने पारा बढ़ा दिया है। यूपी में नौतमा का सितम जारी है। जिलों का तापमान चरम पर पहुंच रहा है। ऐसे में वाराणसी का तापमान 46 डिग्री के लगभग है। सड़कों पर तपिश के कारण लोग गमछा और दुपट्टे का सहारा ले रहे हैं। गंगा किनारे घाट पर भी सन्नाटा दिखा। इक्का–दुक्का पेड़ों के नीचे लोग बैठे दिखे। हालत यह है कि अब युवा भी कॉलेज जाने के लिए कई मर्तबा सोच रहे हैं। वाराणसी में भीषण लू और तपिश का माहौल है। आमजन के साथ जीव–जंतु भी बेहाल दिखे। कोल्ड ड्रिंक्स और जूस की डिमांड बाजार में बढ़ गई है। वहीं, जानवर भीषण गर्मी से बचने के लिए बेचैन नजर आए। गड्ढों में जमा पानी में बैठकर राहत महसूस की। गर्मी के साथ तीखी धूप से ने लोगों को तपा कर रख दिया है। घाट पर तीर्थ–पुरोहित भी काफी कम दिखे। बढ़ती गर्मी और लू के कारण लोग बीमार भी होने लगे हैं। सुबह से ही निकल नहीं तीखी धूप के कारण लोग सुबह ही अपने दुकान और संस्थान में पहुंच जा रहे हैं। दोपहर होते ही दुकान के शटर आधे गिर जा रहे हैं। हीट वेव और वॉम नाइट के कारण आमजन करवटें बदलकर रात बीता रहा है। पंखे और कूलर की हवाओं से भी राहत नहीं मिल पा रही है। पूर्वांचल के चंदौली, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, मऊ, जौनपुर, आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर सहित अन्य जिलों में भी हीट वेव का कहर जारी है। मौसम विभाग की ओर से कई जिलों मे हीट वेव का अलर्ट भी जारी किया गया है।

जेठ का पहला बड़ा मंगल आज, मंदिरों में सुबह से बजरंग बली के जयकारे, गली-गली में लगे भंडारे

लखनऊ 28 मई (एजेन्सी)। जेठ का पहला मंगल लखनऊ में धूमधाम से मनाया जा रहा है। भीषण गर्मी के बावजूद प्रमुख हनुमान मंदिरों में भक्तों की कतार दिखा रही है। गली–गली में भंडारों की तैयारियां देखी जा सकती हैं। बजरंग बली को समर्पित पहला बड़ा मंगल आज है। राम भक्त हनुमान के मंदिर रंग–बिरंगी रोशनी से जगमगा रहे हैं। खासकर लखनऊ में इसका विशेष महत्व है और यह भव्य पर्व के रूप में मनाया भी जाता है। सोमवार रात 12 बजे से ही दर्शन पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। हनुमान सेतु मंदिर में रात 12 बजे बजरंग बली की आरती हुई और बड़ी संख्या में भक्तों ने अपने आराध्य देव के दर्शन किए। वहीं अलीगंज का नया हनुमान मंदिर तो दोपहर तीन बजे से ही खुल गया। झूले लगने शुरू हो गए थे। मंदिर परिसर में भक्तों ने डेरा डालना शुरू कर दिया था। रात 12 बजे दंडवत करते भक्तों ने महावीर के दरबार में हाजिरी लगाई। हनुमान सेतु मंदिर की साज–सजावट पूरी हो गई और सोमवार रात 12 बजे ही मंदिर को भक्तों के लिए खोल दिया गया। मंगलवार को रात 12 बजे तक बाबा के दर्शन होंगे। मंदिर प्रबंधन के पदाधिकारी चंद्रकांत द्विवेदी का कहना है कि प्रवेश परिक्रमा पथ से होगा। हनुमान सेतु मंदिर आने वालों के लिए बीरबल साहनी मार्ग स्थित उत्तरायणी मेला स्थल, कॉल्विन ताल्लुकेदार कॉलेज के गेट नंबर 2 पर चार पहिया वाहन के लिए और परिसर में स्वीमिंग पुल के पास दोपहिया वाहन खड़े करने की व्यवस्था है।

जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को बड़ा झटका, अदालत ने खारिज की जमानत याचिका

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े बड़े साजिश मामले में पूर्व जेएनयू छात्र नेता उमर खालिद की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। उमर खालिद यूएपीए मामले में सितंबर 2020 से जेल में हैं। खालिद ने मामले में देरी और अन्य आरोपियों के साथ समानता के आधार पर नियमित जमानत की मांग की थी। विशेष न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने 13 मई को उनकी जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।दिल्ली पुलिस के विशेष लोक अभियोजक ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए इसे तुच्छ और आधारहीन बताया था। उमर खालिद के वकील ने दावा किया था कि दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में उमर खालिद के खिलाफ कोई आतंकी आरोप नहीं लगाया गया था और उसका नाम केवल दस्तावेज में दोहराया गया था। दिल्ली पुलिस के विशेष लोक अभियोजक ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए इसे तुच्छ और आधारहीन बताया था। उमर खालिद के वकील ने दावा किया था कि दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में उमर खालिद के खिलाफ कोई आतंकी आरोप नहीं लगाया गया था और उसका नाम केवल दस्तावेज में दोहराया गया था। उन्होंने आगे तर्क दिया कि उनका नाम दोहराने से झूठ सच नहीं बन जाता। खालिद के वकील ने अपने मुवक्किल के खिलाफ शातिर मीडिया ट्रायल का भी आरोप लगाया था। दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद पर 2020 में 23 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाने का आरोप लगाया है, जिसके कारण कथित तौर पर दंगे हुए। फरवरी में सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस लेने के बाद उमर खालिद ने स्थानीय अदालत का रुख किया था। क्या संदेश साझा करना एक आपराधिक या आतंकवादी कृत्य है? विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) ने आरोप लगाया था कि उमर खालिद कुछ लिंक साझा करके एक साजिश के तहत अपनी कहानी को बढ़ा रहा था।

मोदी को पीएम क्यों कहा जाना चाहिए, बीजेपी के प्रचार विज्ञापनों को लेकर ममता ने उठाए सवाल

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। 1 जून को होने वाली विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन ब्लॉक के नेताओं की बैठक की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है क्योंकि सभी सहयोगियों की उपस्थिति पर संदेह बना हुआ है। मामले से वाकिफ लोगों के मुताबिक, अपने सहयोगियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित बैठक ऑनलाइन भी हो सकती है। कांग्रेस के एक शीर्ष नेता ने मंगलवार को एचटी को बताया कि गठबंधन के भीतर एक महत्वपूर्ण वर्ग अब चाहता है कि तारीख बदल दी जाए, क्योंकि ब्लॉक की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने घोषणा की है कि वह आने में सक्षम नहीं होगी। इंडिया ब्लॉक का दूसरा सबसे बड़ा घटक दल टीएमसी, पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण और चक्रवात रेमल के बाद राहत कार्यों के कारण 1 जून को दिल्ली में गठबंधन की आगामी बैठक में शामिल नहीं होने वाला है। इंडिया ब्लॉक गठबंधन के दो वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, जिसमें 26 पार्टियां शामिल हैं, बैठक एग्जिट पोल पर रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई है, जो शनिवार को आखिरी दौर के मतदान के बाद सामने आएंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा चुनाव में पार्टी के अभियान के दौरान नरेंद्र मोदी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नहीं बल्कि प्रधानमंत्री करार दिए जाने पर आपत्ति जताई। मोदीजी को प्रचार करने का पूरा अधिकार है। उन्हें यहां आकर चुनाव कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का पूरा अधिकार है. लेकिन मैं यह देखकर आश्चर्यचकित हूं कि उनकी पार्टी के प्रचार विज्ञापनों में उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में संदर्भित किया गया है।

अबुधाबी की फ्लाइट से 48.15 लाख का सोना बरामद, मलाशय में तीन कैप्सूल के रूप में छुपाकर लाया था यात्री

लखनऊ 28 मई (ल0का0)। लखनऊ एयरपोर्ट पर सोना तस्करी कर लाए जाने के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। कस्टम विभाग ने एक यात्री से 48 लाख का सोना बरामद किया है। अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टम ने गत दिवस 48.15 लाख रुपये का तस्करी का सोना बरामद किया। सोने को शरीर के अंदर छिपा कर अबुधाबी से लाया गया था। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई–1416 गत दिवस अबुधाबी से अमौसी एयरपोर्ट पहुंची तो एयर कस्टम की टीम ने शक के आधार पर एक यात्री की जांच की। उसके शरीर में सोना छिपा हुआ पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि सोने का वजन 793 ग्राम था, जिसकी कीमत 48,15,525 रुपये है। सोने को शरीर के अंदर मलाशय में तीन कैप्सूल के रूप छिपाकर रखा गया था।

दिल्ली एयरपोर्ट से वाराणसी जाने वाली उड़ान में बम होने की सूचना अफवाह निकली

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाराणसी के लिए उड़ान भरने वाले 'इंडिगो' के एक विमान में बम होने की मंगलवार सुबह मिली धमकी अफवाह साबित हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि जब 'इंडिगो' की उड़ान संख्या 6ई2211 को रवाना करने की तैयारी की जा रही थी तभी विमान चालक को एक शौचालय में कागज का एक टुकड़ा मिला जिस पर बम होने की धमकी लिखी थी अधिकारियों ने बताया कि बम होने की धमकी मिलने के बाद प्राधिकारियों ने विमान में सवार चालक दल के सभी कर्मियों एवं 176 यात्रियों को बाहर निकालकर तलाशी अभियान शुरू किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''वाराणसी जाने वाली 'इंडिगो' की एक उड़ान के शौचालय में एक कागज मिलने की सूचना प्राप्त हुई। कागज पर लिखा था– 'साढ़े पांच बजे बम'।'' अधिकारी ने बताया कि विमान की गहन तलाशी ली गई। उन्होंने कहा, ''कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बम होने की धमकी अफवाह निकली। आगे की जांच जारी है।'' अधिकारियों ने बताया कि जब 'इंडिगो' की उड़ान संख्या 6ई2211 को रवाना करने की तैयारी की जा रही थी तभी विमान चालक को एक शौचालय में कागज का एक टुकड़ा मिला जिस पर बम होने की धमकी लिखी थी।

संक्षिप्त समाचार

गुरमीत राम रहीम बरी, 22 साल पुराने हत्या के मामले में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह और चार अन्य को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पूर्व डेरा प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या के 22 साल पुराने मामले में बरी कर दिया। 2002 में रणजीत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और इस मामले में पंचकुला की विशेष सीबीआई अदालत ने 18 अक्टूबर 2021 को राम रहीम को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, अब चंडीगढ़ हाईकोर्ट ने सीबीआई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए डेरा प्रमुख समेत पांच लोगों को बरी कर दिया है।सीबीआई अदालत ने 18 अक्टूबर 2021 को राम रहीम को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, अब चंडीगढ़ हाईकोर्ट ने सीबीआई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए डेरा प्रमुख समेत पांच लोगों को बरी कर दिया है। विवादास्पद डेरा प्रमुख डेरा में दो साध्वियों के साथ बलात्कार और पत्रकार राम चंदर प्रजापति की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल में हैं, जिन्होंने प्रभावशाली डेरा प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर विस्तार से रिपोर्ट की थी। डेरा सच्चा सौदा का मुख्यालय हरियाणा के सिरसा में स्थित है। गुरमीत राम रहीम के खिलाफ यौन उत्पीड़न के चौंकाने वाले आरोप सामने आने के बाद सुर्खियों में आया था और सीबीआई ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। जांच शुरू होने के एक दशक बाद 2014 में डेरा प्रमुख ने दावा किया कि वह नपुंसक हैं, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया. दोषी ठहराए जाने के बाद समर्थकों की भारी भीड़ और पुलिस के बीच हुई झड़प में नाटकीय दृश्य सामने आए।

वाराणसी में पीएम मोदी को चुनौती दे रहे अजय राय को जीत का भरोसा, बोले- इस बार उनके लिए राह आसान नहीं

वाराणसी 28 मई (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का चेहरा अजय राय लगातार अपने निर्वाचन क्षेत्र में ग्राउंड जीरो पर सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत गठबंधन के शीर्ष नेता पहले ही उनके लिए प्रचार कर चुके हैं। राहुल गांधी के 28 मई को वाराणसी जाने की उम्मीद है। कांग्रेस नेता का दावा है कि मोदी के लिए चीजें अब आसान नहीं हैं। उन्हें यह भी उम्मीद है कि सपा–कांग्रेस गठबंधन उत्तर प्रदेश में भाजपा का सफाया कर देगा। राय ने कहा कि चुनाव दिल जीतकर जीते जाते हैं, पैसों से नहीं।श इस बार वोट जुटाने के लिए पैसा नहीं चलेगा। युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, लेकिन भाजपा के लिए यह पहले व्यवसाय है। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्हें इस बार जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में मोदी कभी भी वाराणसी में एक रात के लिए नहीं रुके। अजय राय का दावा है कि पहले चरण से ही बीजेपी को कड़ा संदेश मिला। हर गुजरते चरण के साथ, विपक्षी इंडिया गुट मजबूत होता गया। उन्होंने कहा कि मैं तीन बार भाजपा विधायक रहा हूं और चीजों को गहराई से जानता हूं। अटलजी के समय में कैडर का सम्मान होता था, लेकिन अब नहीं। लगातार मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने और 2014 और 2019 में मिले हार पर उन्होंने कहा कि जनता भोली होती है। 2014 में मतदाताओं को लगा कि मोदी सुपरमैन हैं और उनकी किस्मत बदल देंगे। 2019 में, यह पुलवामा घटना का दुरुपयोग था जिसने मोदी को चुनाव जीतने में मदद की। राय ने कहा कि चुनाव दिल जीतकर जीते जाते हैं, पैसों से नहीं।श इस बार वोट जुटाने के लिए पैसा नहीं चलेगा। युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, लेकिन भाजपा के लिए यह पहले व्यवसाय है। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्हें इस बार जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में मोदी कभी भी वाराणसी में एक रात के लिए नहीं रुके।

जम्मू–कश्मीर के सांबा में मोर्टार का संदिग्ध गोला फटने से तीन लोग घायल

जम्मू कश्मीर 28 मई (एजेन्सी)। जम्मू–कश्मीर के सांबा जिले में एक खुले मैदान में सोमवार को विस्फोट से तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आशंका जताई जा रही है कि मोर्टार के जंग लगे गोले में आग लगने से यह विस्फोट हुआ।अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट तब हुआ जब रात करीब सवा आठ बजे खारा मधाना गांव में कुछ किसान खेत में फसल के अवशेष जला रहे थे। उन्होंने कहा कि विस्फोट में तीन लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट तब हुआ जब रात करीब सवा आठ बजे खारा मधाना गांव में कुछ किसान खेत में फसल के अवशेष जला रहे थे। उन्होंने कहा कि विस्फोट में तीन लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी और फोरेंसिक विशेषज्ञ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि जंग लगे मोर्टार के गोले में आग लगने के कारण विस्फोट हुआ होगा।

गैंगस्टर मामले में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास और पत्नी निखहत को बड़ी राहत, कोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार

प्रयागराज 28 मई (एजेन्सी)। गैंगस्टर मामले में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास और पत्नी निखहत को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकार भी लगाई है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए एफआईआर रद्द कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चित्रकूट पुलिस की ओर से जेल में बंद मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी और उसकी पत्नी निखहत अंसारी समेत पांच लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने जबरन की गई गैंगस्टर की कार्रवाई के लिए पुलिस को फटकार भी लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह प्रथम की अदालत ने शाहबाज आलम की ओर से गैंगस्टर के तहत दर्ज एफआईआर की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने बताया कि मामला चित्रकूट जिले के कर्वी थाना क्षेत्र का है। जेल में बंद अब्बास अंसारी की पत्नी निखहत के मिलने के मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी और बाद में कर्वी पुलिस ने गैंगस्टर के तहत भी एफआईआर दर्ज की थी। गैंगस्टर मामले में अब्बास अंसारी, उसकी पत्नी निखहत अंसारी और शाहबाज आलम समेत पांच लोगों को आरोपी बनाया गया था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 29 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

पटना यूनिवर्सिटी छात्र की निर्मम हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

पटना 28 मई (एजेन्सी)। बिहार पुलिस ने मंगलवार को स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र की पीट–पीटकर हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। 22 वर्षीय छात्र की पहचान हर्ष राज के रूप में की गई, जो पटना यूनिवर्सिटी के बीएन कॉलेज का छात्र था। पटना विश्वविद्यालय समाचार बहार पुलिस ने मंगलवार को स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र की पीट–पीटकर हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। 22 वर्षीय छात्र की पहचान हर्ष राज के रूप में की गई, जो पटना यूनिवर्सिटी के बीएन कॉलेज का छात्र था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान पटना कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्र और पटना के बिहटा निवासी चंदन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने दावा किया कि पटना कॉलेज के जैक्सन हॉस्टल में रहने वाले कुमार ने सोमवार को पटना विश्वविद्यालय के बीएन कॉलेज के छात्र हर्ष राज की हत्या की साजिश रची। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चंदन कुमार इस मामले का मुख्य आरोपी है। पटना पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, घटना के तुरंत बाद, जिला पुलिस ने एक एसआईटी का गठन किया और कथित तौर पर साजिश रचने वाले चंदन कुमार को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। हिरासत में पूछताछ के दौरान, कुमार ने अपराध करने की बात कबूल कर ली। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान का भी खुलासा किया। पटना पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि घटना किसी पुरानी दुश्मनी के कारण हुई होगी। हालांकि, घटना का सही कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगा। पुलिस ने अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। छात्रों के कुछ समूहों ने शहर के विभिन्न स्थानों के साथ–साथ पटना विश्वविद्यालय के बाहर भी विरोध मार्च निकाला। अधिकारी ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए परिसर में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इस बीच, इस घटना के बाद कथित तौर पर पटना यूनिवर्सिटी ने सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। गौरतलब है कि यह घटना तब हुई थी जब 22 वर्षीय छात्र दोपहर में अपने परीक्षा केंद्र से बाहर आ रहा था. वह लॉ कॉलेज परिसर में अपनी स्नातक परीक्षा देने गए थे और छात्रों के एक समूह ने उनकी पिटाई कर दी थी। वो घायल हुआ। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

छगन भुजबल ने एनसीपी के लिए विधानसभा में मांगीं इतनी सीटें, फडणवीस ने दी ये प्रतिक्रिया

मुम्बई 28 मई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल ने 27 मई को इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए 80 से 90 सीटों की मांग की, जिस पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और अधिक सीटों पर लड़ेंगे। राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ एनसीपी और बीजेपी सहयोगी हैं। तीनों ने एनडीए की छत्रछाया में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा है।मुंबई में पार्टी की एक बैठक में बोलते हुए, भुजबल ने कहा कि एनसीपी को मौजूदा लोकसभा चुनावों में लड़ने के लिए बहुत कम सीटें मिलीं और वे 2024 में राज्य चुनावों में अधिक सीटें चाहते हैं। हम गठबंधन (भाजपा–शिवसेना) में शामिल हुए, तो हमें विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीटें मिलने का आश्वासन दिया गया था। मुंबई में पार्टी की एक बैठक में बोलते हुए, भुजबल ने कहा कि एनसीपी को मौजूदा लोकसभा चुनावों में लड़ने के लिए बहुत कम सीटें मिलीं और वे 2024 में राज्य चुनावों में अधिक सीटें चाहते हैं। हम गठबंधन (भाजपा–शिवसेना) में शामिल हुए, तो हमें विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीटें मिलने का आश्वासन दिया गया था। हालाँकि, इस लोकसभा चुनाव में हमें लड़ने के लिए बहुत कम सीटें मिलीं। हमें उन्हें (भाजपा) बताना चाहिए कि हम अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं ताकि हम लगभग 50 से 60 सीटें जीत सकें। 2019 के विधानसभा चुनाव में राज्य की 288 सीटों में से बीजेपी ने 105 सीटें जीती थीं, जबकि अविभाजित एनसीपी को 54 सीटें मिली थीं। अगर हमें पार्टी के मौजूदा विधायकों की संख्या के कारण चुनाव लड़ने के लिए 50 सीटें मिलती हैं, तो वास्तव में उन 50 में से कितने निर्वाचित होंगे। सूत्रों के मुताबिक, सीटों का बंटवारा लोकसभा चुनाव नतीजों के स्ट्राइक रेट के आधार पर किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि पार्टी का स्ट्राइक रेट जितना अधिक होगा, उसे उतनी अधिक सीटें मिलेंगी। 4 जून को नतीजे घोषित होने के बाद महायुति की तीनों पार्टियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। शिवसेना ने एनसीपी से लोकसभा चुनाव नतीजों का इंतजार करने को भी कहा है। भुजबल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, फडणवीस ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और इस चुनाव में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सीट–बंटवारे के फॉर्मूले को तीनों दलों के नेताओं की बैठक और चर्चा के बाद ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

बिजली कटौती से उग्र हुए लोग, उपकेंद्र पर किया हमला-तोड़फोड़, लाइनमैन की पिटाई, जाम की रोड

लखनऊ 28 मई (ल0का0)। बिजली संकट और कटौती को लेकर लखनऊ के लोग आंदोलित हो उठे। राजाजीपुरम ओल्ड उपकेंद्र के 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर में आई खराबी के कारण मीना बेकरी, सपना कॉलोनी, सेक्टर 12 व 13 सहित आवास विकास कॉलोनी के करीब 5000 उपभोक्ताओं की बिजली रविवार देर रात गुल हो गई। इसके विरोध में रात करीब दो बजे 70–80 उपभोक्ताओं के साथ में आए अराजक तत्वों ने उपकेंद्र पर एसकेडी स्कूल की तरफ से हमला कर दिया। उपकेंद्र पर कब्जा करने के बाद पौने चार घंटे तक तोड़फोड़ व पथराव किया। घूम–घूम कर बिजली विभाग व सरकार विरोधी नारे लगाए। इस हमले से ड्यूटी पर मौजूद इंजीनियर एवं कर्मचारी जान बचाकर भाग गए। सुबह करीब पौने छह बजे जब पुलिस व स्थानीय पार्षद अजय दीक्षित ने हस्तक्षेप किया तब उपद्रवियों से उपकेंद्र खाली हुआ। इसके बाद ट्रांसफार्मर की खराबी दूर कर सोमवार सुबह 10रू30 बजे बिजली चालू की गई। करीब पौने नौ घंटे तक बिजली ठप रहने से 5000 उपभोक्ताओं को पानी का संकट भी झेलना पड़ा। इससे पहले सी ब्लॉक में डबल रोड पर रविवार देर रात ट्रांसफार्मर की केबल जलने से सपना कॉलोनी, सेक्टर 12 व 13 की बिजली चली गई थी। केबल की मरम्मत के बाद बिजली चालू हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद फिर चली गई। इसके विरोध में भी लोगों ने रात में ही उपकेंद्र के सामने की सड़क जाम कर आधे घंटे प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने उपकेंद्र एवं जेई कक्ष को निशाना बनाया। पहले ऑपरेटर की मेज–कुर्सी पलट कर तोड़ दी, फिर शिकायत दर्ज करने वाली लॉगशीट फाड़ दी। इसके बाद जेई कक्ष के एसी, कंप्यूटर सहित खिड़कियों को ईंटों से तोड़ डाला। इस कदर पथराव किया कि उपकेंद्र के भीतर समूचे ईंट और पत्थर पैनल तक पहुंच गए। ऑफिस में पथराव भी किया गया। अराजक तत्वों के खिलाफ जेई ने हमला, तोड़फोड़ व सरकारी काम में बाधा डालने की एफआईआर दर्ज कराई है। राजाजीपुरम में ही पाल तिराहा उपकेंद्र के एफ ब्लॉक में लगातार दूसरे दिन रविवार को बिजली संकट से परेशान लोगों ने उपकेंद्र के लाइनमैन मुन्ना की पिटाई कर दी। मामले में लाइनमैन ने सोमवार को एफआईआर कराई गई है। राजाजीपुरम ओल्ड व पाल तिराहा उपकेंद्र इलाके में गत शुक्रवार से एबीसी, केबल जलने, ट्रांसफार्मर एवं भूमिगत केबल में खराबी से रात में बत्ती गुल हो रही है। एक्सईएन डीके गुप्ता ने बताया कि बंद बिजली चालू करने के लिए इंजीनियरों को रात–रात भर उपकेंद्र पर रुकना पड़ रहा है। वे तीन दिन से घर नहीं जा सके हैं।

मध्यांचल निगम ने सोमवार को राजाजीपुरम के पाल तिराहा उपकेंद्र के लिए 10 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर स्वीकृत किया है। मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर को लगाने की प्रक्रिया इसी हफ्ते शुरू हो जाएगी। इससे ई, एफ ब्लॉक, आलमनगर रोड, कैंपवेल रोड सहित बड़े हिस्से का बिजली संकट दूर होगा। राजाजीपुरम ओल्ड उपकेंद्र के 10 एमवीए के ट्रांसफार्मर का डायाफ्राम रात 1रू45 बजे अचानक फट गया। इससे मीना बेकरी सहित आसपास के बड़े हिस्से की बत्ती गुल हो गई।

अदालत ने धन शोधन मामले में सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर ईडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली 28 मई (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले में जमानत (डिफॉल्ट बेल) देने का अनुरोध करने वाली, जेल में बंद पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब देने के लिए कहा।ईडी ने भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत 2017 में जैन के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर दर्ज ध न शोधन के मामले में 30 मई 2022 को उन्हें गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने ईडी को नोटिस जारी किया और उसे मामले पर एक स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा। अदालत ने जेल प्राधिकारियों से जैन का रिकॉर्ड भी मांगा और मामले पर अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख तय की। जैन पर कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के जरिए धन शोधन करने का आरोप है। उन्होंने निचली अदालत के 15 मई के आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। जैन ने दलील दी है कि ईडी वैधानिक अवधि के भीतर सभी मामलों में जांच पूरी करने में नाकाम रही है और उन्हें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 167 (2) के प्रावधानों के तहत 'डिफाल्ट बेल' के उनके अधिकार से वंचित करने के प्रयास के तहत अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) दाखिल की गयी है जो पूरी नहीं है। ईडी ने भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत 2017 में जैन के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर दर्ज धन शोधन के मामले में 30 मई 2022 को उन्हें गिरफ्तार किया था। उन्हें निचली अदालत ने सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में छह सितंबर 2019 को नियमित जमानत दे दी थी।

महाराजा सुहेलदेव राज्य विवि में नियुक्ति के नाम पर पैसा लेने वाला आरोपी पुलिस हिरासत में, चल रही पूछताछ

आजमगढ़ 28 मई (एजेन्सी)। महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय में नियुक्ति के नाम पर पैसे ऐंठने वाले आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय में नियुक्ति के नाम पर एक व्यक्ति ने कई लोगों से पैसा लिया हुआ था। पैसा देने वालों ने डीएवी पीजी कॉलेज परिसर में संचालित हो रहे विश्वविद्यालय परिसर में ही उक्त व्यक्ति को पकड़ लिया। इसकी जानकारी होने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने शहर कोतवाली को सूचना दी।

(पेज 1 का शेष)

गर्मी से झुलसा प्रदेश, 48 के

हैं। कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरूखाबाद, कन्नौज, कानपुर देात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, मैनपुरी, इटावा, औरैया, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास के इलाके। प्रदेश के अन्य शहरों की तरह राजधानी भी भीषण गर्मी झेल रही है। सोमवार को इस सीजन का सर्वाधिक गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि रात का पारा 31.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले 18 मई को दिन का तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह व मो. दानिश के मुताबिक, फिलहाल दो दिन गर्मी से राहत के कोई आसार नहीं हैं। मई के अंतिम दिन में पारे में गिरावट शुरू होगी। लखनऊ में इससे अधिक गर्मी वर्ष 2019 की मई में पड़ी थी। उस समय पारा 44.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। 23 मई तक राजधानी का अधिकतम तापमान 40 से नीचे था। 24 से इसमें बढ़ोतरी शुरू हुई। दिन का तापमान 40.2 डिग्री से 44.3 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 24 को 28.6 डिग्री था, जो लगातार बढ़ते हुए 31.2 डिग्री पहुंचा। 25 मई को रात का पारा 31.3 डिग्री दर्ज हुआ था।

झारखंड को हर तरह से लूट रहे जेएमएम

मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाती है।विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के लिए सिर्फ अपना वोटबैंक जरूरी है। उसे आदिवासी समाज के हितों से कोई लेना–देना नहीं है। जहां–जहां ये लोग सत्ता में आए, आदिवासी समाज और संस्कृति खतरे में पड़ गई। आदिवासियों के खिलाफ इनके हथियार हैं – नक्सलवाद, घुसपैठ और तुष्टीकरण! उन्होंने कहा कि अब झारखंड में एक बड़ा संकट घुसपैठियों का हो गया है। हमारा ये संथाल परगना तो बहुत ज्यादा घुसपैठियों की चुनौती से जूझ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप कई इलाकों में आदिवासियों की संख्या तेजी से कम हो रही है और घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। आदिवासी बेटियों की सुरक्षा और उनका जीवन खतरे में पड़ गया है उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की देशविरोधी राजनीति का एक खतरनाक फॉर्मूला है। इनका फॉर्मूला है– घोर सांप्रदायिक राजनीति करो, घोर तुष्टीकरण की राजनीति करो, अलगाववादियों को संरक्षण दो, आतंकवादियों का बचाव करो और जो उसका विरोध करे, उस पर हिन्दू–मुसलमान करने का आरोप लगा दो।

कांग्रेस का चरित्र राम विरोधी, सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल राम भक्त ही दिल्ली की गद्दी पर शासन करेगा। उन्होंने कहा कि गोरखपुर का विशेष महत्व है क्योंकि यहीं पर 1986 में मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह के कार्यकाल में राम मंदिर का ताला खोला गया था। आज जब रामलला उस स्थान पर विराजमान हैं तो यहां से रिकॉर्ड वोट मिलने चाहिए। मैं जनता से पूछता हूं कि वे मोदी जी को इतना प्यार क्यों करते हैं और भाजपा का इतना समर्थन क्यों करते हैं। वे कहते हैं कि हम उन्हें लाएंगे जो राम को लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सिंहासन पर राम भक्त ही राज करेगा। कांग्रेस के अलावा मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने राम मंदिर का ठीक से निर्माण नहीं होने का दावा करने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) की भी आलोचना की। कांग्रेस का कहना है कि राम मंदिर नहीं बनना चाहिए था। इससे दुनिया में गलत संदेश गया है। समाजवादी पार्टी का कहना है कि राम मंदिर ठीक से नहीं बना। आप लोगों का दिमाग खराब हो गया है। राम मंदिर भारत की शाश्वत आस्था का प्रतीक है। इसलिए, यह चुनाव राम भक्तों और राम गद्दारों के बीच आ गया है।

कांग्रेस और सपा जुड़कर एक और

संजीवनी है। रोटी कपड़ा और मकान, सबसे पहले बचाना है संविधान। उन्होंने कहा कि 4 तारीख को खुशियों के दिन आएंगे, प्रेस वालों के भी खुशियों के दिन आएंगे। मित्र मंडली तो बदलेगी ही बदलेगी, मंत्री मंडल और मीडिया मंडल भी बदलेगा। जो सुनाते रहे मन की बात, अब होगी संविधान की बात। उन्होंने कहा कि खुद को डबल इंजन कहने वालों के इंजन का कुशीनगर में आते आते धुआं क्यों निकल जाता है? ना कोई सड़क बना पाए, जो सड़के बनी हुई थी गड्ढे हो गए। अखिलेश ने कहगा कि बीजेपी ने पिछड़ों, दलितों आदिवासियों का आरक्षण छीना है। यही दलित और आदिवासी लोग सामान्य मेरिट में आ जाते थे, जनरल में नौकरी मिल जाती थी लेकिन अब इनको जनरल में नौकरी नहीं मिलती। जो 50 परसेंट हैं उसी में EWS भी है, धर्म भी है, तो आप विचार करिए धर्म के आधार पर किसने किसको कितना आरक्षण दिया है।

भारी बारिश के कारण पूर्वोत्तर में

और लोंगडिंग जिले में भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है। पक्के–केसांग, पापुम पारे, सियांग, लोहित, पूर्वी कामेंग, पश्चिमी कामेंग, कुरुंग कुमेय, पश्चिमी सियांग और निचली दिबांग घाटी जिले में भी 29 और 30 मई को बिजली गरजने और भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश के कारण मणिपुर के भी कई इलाके जलमग्न हो गए, इससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। पूर्वी इंफाल जिले के जलभराव के कारण एंड्रो पार्किंग, चेकॉन, महाबली और वांगखेई में यातायात प्रभावित हुआ। फिलहाल राज्य में किसी के भी हताहत होने या मौत की सूचना नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि एनएस 37 इंफाल–सिलचर राजमार्ग पर कांगपोकपी जिले के सिनम गांव के पास भूस्खलन के कारण एक ट्रक खाई में गिर गया। सेनापति जिले में कई नदियां उफान पर हैं। बाढ़ का पानी जिले के कई इलाकों में घुस गया। मिजोरम की राजधानी आइजोल के बाहरी इलाके में भारी बारिश के कारण एक खदान ढह गई। इस हादसे में अबतक 15 लोगों की जान चली गई, जबकि दो लोगों को बचाया गया है। पुलिसकर्मी बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। भारी बारिश के कारण नदियों का स्तर भी बढ़ चुका है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को अपने घरों से निकलकर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।

अमित शाह का बड़ा वार, बोले

कि ओडिशा एक ऐसे मुख्यमंत्री का हकदार है जो उड़िया हो, जो युवा हो और जो भगवान जगन्नाथ का भक्त हो। भाजपा जीतेगी और 25 साल बाद आखिरकार ओडिशा को एक उड़िया मुख्यमंत्री मिलेगा! उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि आज मैं नवीन बाबू से पूछना चाहता हूं.. भगवान जगन्नाथ के रत्न भंडार की ओरिजनल चाबियां कहां हैं? रत्न भंडार की जांच रिपार्ट आप सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहे हैं? बीजेडी सरकार किसको बचाने का प्रयास कर रही है। आप ओडिशा में भाजपा की सरकार बना दो, एक महीने के अंदर रत्न भंडार की जांच रिपोर्ट हम सार्वजनिक कर देंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा ने अपने स्वाभिमान के लिए सम्राट अशोक के साथ युद्ध किया था, ओडियावासी मर गए लेकिन झुके नहीं। आज नवीन बाबू, ओडिशा पर एक तमिल मुख्यमंत्री थोपने का काम कर रहे हैं। नवीन बाबू आपको तो सहन कर लिया लेकिन आपके नाम पर तमिल बाबू हम सहन नहीं करेंगे।

बेबी केयर सेंटर अग्निकांड पर

है नोट के अनुसार, पंजीकरण दिल्ली नर्सिंग होम पंजीकरण अधिनियम, 1953 और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत निर्धारित मानदंडों का अनुपालन कर रहे हैं। विवेक विहार में एक नवजात शिशु देखभाल केंद्र में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत के एक दिन बाद, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के सभी अस्पतालों को अग्नि सुरक्षा ऑडिट करने और 8 जून तक राज्य स्वास्थ्य विभाग को अनुपालन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ दिल्ली सचिवालय में एक बैठक के बाद भारद्वाज ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल आग की घटनाओं से निपटने के लिए सुसज्जित हों। अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक शनिवार देर रात लगी आग के बाद शहर के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी।

मोदी को पीएम क्यों कहा जाना

सक्षम नहीं होगी। इंडिया ब्लॉक का दूसरा सबसे बड़ा घटक दल टीएमसी, पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण और चक्रवात रेमल के बाद राहत कार्यों के कारण 1 जून को दिल्ली में गठबंधन की आगामी बैठक में शामिल नहीं होने वाला है। इंडिया ब्लॉक गठबंधन के दो वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, जिसमें 26 पार्टियां शामिल हैं, बैठक एग्जिट पोल पर रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई है, जो शनिवार को आखिरी दौर के मतदान के बाद सामने आएंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा चुनाव में पार्टी के अभियान के दौरान नरेंद्र मोदी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नहीं बल्कि प्रधानमंत्री करार दिए जाने पर आपत्ति जताई। मोदीजी को प्रचार करने का पूरा अधिकार है। उन्हें यहां आकर चुनाव कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का पूरा अधिकार है. लेकिन मैं यह देखकर आश्चर्यचकित हूं कि उनकी पार्टी के प्रचार विज्ञापनों में उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में संदर्भित किया गया है।

लोकसभा चुनाव के छठे चरण

68.4 फीसदी मतदान हुआ था। 2024 के चुनाव के दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के दूसरे चरण में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। मौजूदा आम चुनाव के पहले चरण में 66.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 2019 के चुनाव में पहले चरण में 69.43 फीसदी मतदान हुआ था। दरअसल, लोकसभा चुनाव के छठे दौर में 25 मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर वोटिंग हुई। इसमें जम्मू–कश्मीर का अनंतनाग–राजौरी संसदीय क्षेत्र भी था, जहां मतदान तीसरे चरण की बजाय छठे चरण के लिए स्थगित कर दिया गया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी, निरहुआ, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और मनोहर लाल समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला इसी चरण में ईवीएम में बंद हुआ। छठे चरण में जिन सीटों पर मतदान हुआ था, उनमें उत्तर प्रदेश की 14, हरियाणा की सभी 10, बिहार और पश्चिम बंगाल की आठ–आठ, दिल्ली की सभी सात, ओडिशा की छह और झारखंड की चार सीटें शामिल थीं। वहीं, सबसे कम जम्मू–कश्मीर की एक सीट पर भी लोग वोट डाले गए थे। 2019 में इन 58 में से 40 सीटें भाजपा ने जीती थीं। वहीं दूसरे स्थान पर बसपा के खाते में चार सीटें गई थीं जबकि कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था। पिछले चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22: फीसदी वोट पड़े थे। सबसे ज्यादा 84.59 फीसदी मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ था। वहीं, सबसे कम 8.98 फीसदी मतदान जम्मू–कश्मीर में दर्ज किया गया था।

30 मई को चुनाव प्रचार खत्म होने

कन्याकुमारी में स्थान चुनने का पीएम मोदी का फैसला देश के लिए विवेकानंद के दृष्टिकोण को साकार करने की उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। देश में आखिरी चरण का मतदान 1 जून को होना है। चुनाव के लिए प्रचार अभियान चुनाव से दो दिन पहले समाप्त हो जाता है। नतीजे चार जून को आएंगे। उन्होंने बताया कि जिस चट्टान पर प्रधानमंत्री ध्यान करेंगे, उसका विवेकानंद के जीवन पर बड़ा प्रभाव था और यह भिक्षु के जीवन में गौतम बुद्ध के लिए सारनाथ के समान ही महत्व रखता है। पूरे देश में घूमने के बाद विवेकानन्द यहीं पहुंचे थे और तीन दिनों तक ध्यान किया था। उन्होंने यहां विकसित भारत का सपना देखा था। एक भाजपा नेता ने बताया कि उसी स्थान पर ध्यान करना स्वामी जी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को जीवन में लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एनआईए की कई राज्यों में

अवैध गतिविधियां करने के लिए मजबूर किया गया, जैसे क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, फर्जी एप्लिकेशन का उपयोग करके क्रिप्टोकरेंसी में निवेश, हनी ट्रैपिंग आदि। जांच से पता चला कि गिरफ्तार आरोपी भारतीय युवाओं को थाईलैंड, कंबोडिया और वियतनाम से लाओस एसईजेड तक अवैध सीमा पार कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से सक्रिय तस्करों के साथ समन्वय कर रहे थे। वे विदेशी आधारित एजेंटों के इशारे पर काम कर रहे थे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 29 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

हत्या या आत्महत्या में उलझी पुलिस

अम्बेडकरनगर 28 मई (सं0)। बसखारी थानाक्षेत्र अन्तर्गत टाण्डा रोड यूनियन बैंक के पास में चाट की दुकान में 25 वर्षीय युवक का फासी के फंदे से लटकता हुआ संदिग्ध परिस्थितियों शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। वहीं स्थानीय लोगों ने युवक को मारकर लटकाने की आशंका जताई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मालीपुर थानाक्षेत्र अन्तर्गत कादीपुर निवासी मोहित का बसखारी निवासी श्याम प्रसाद गौड़ की पुत्री के साथ वैवाहिक संबंध की चर्चा चल रही थी। दोनों आपस में बातचीत भी करते थे। इसी बीच 10 दिन पूर्व लड़की के परिजनों ने शादी करने से इनकार कर दिया। जिससे नाराज युवक मोहित सोमवार को लड़की के घर आ पहुंचा तथा घर वालों के बीच काफी कहां सुनी हुई और मामला थाने तक पहुंचा जिसमें परिजनों के आपसी सहमति के बाद मामला शांत हो गया। वहीं सोमवार शाम को लगभग 8रू30 बजे मोहित पुत्र रामकिशन ने लड़की को चाकू मारकर कई जगह घायल कर दिया। घायल अवस्था में लड़की को परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी में भर्ती कराया जहां पर लड़की की गंभीर स्थिति को देखते हुए डाक्टरों ने मेडिकल कालेज सदरपुर रेफर कर दिया। बसखारी थाने पर पहुंचकर लड़की के पिता श्याम प्रसाद ने प्रार्थना पत्र देकर मोहित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। वहीं पुलिस की माने तो पुलिस मुकदमा दर्ज करके सिरफिरे युवक की तलाश रात भर करती रही। सुबह युवक की लाश लड़की के पिता श्याम प्रसाद की चाट की दुकान में तीन सेट की बल्ली में फांसी के फंदे पर संदिग्ध अवस्था में लटकती हुई पायी गयी। युवक लगभग तीन फीट की ऊंचाई से लटक रहा था जबकि उसके शरीर पर काफी मिट्टी लगी हुई थी जिससे यह प्रतीत हो रहा था कि उसका किसी के साथ हाथापाई हुआ है वहीं स्थानीय लोगों की माने तो युवक की हत्या कर शव को लटका दिया गया है। जिसकी चर्चा बसखारी बाजार में आम नागरिक कर रहे हैं। इस सम्बन्ध ा में बसखारी निरीक्षक संत कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा हो पायेगा फिलहाल हत्या तथा आत्महत्या दोनों पहलुओं पर विचार करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

पहले बड़े मंगल पर भंडारे का आयोजन पूरे नगर में बडी धूम धाम से मनाया गया, लोगों ने बड़ी श्रद्धा के साथ जगह जगह पर स्टाल लगा कर बाटे प्रसाद

बहराइच 28 मई (सं0)। जेठ माह के पहले बडे मंगल पर पूरे नगर में जगह जगह पर भंडारे का आयोजन दशकों से चला आ रहा है, लोग बड़े श्रद्धा के साथ प्रभू हनुमान जी के जन्मोत्सव पर भंडारे का आयोजन करते हे, स्टॉल लगा कर कोई पूड़ी सब्जी, कोई हलुआ तो कोई बूंदी, कोई स्टॉल लगा कर लड्डू आदि का प्रसाद बांटे है इसी क्रम में हुजूर पुर स्टेंड के पास दसवें वर्ष भंडारे का आयोजन किया गया। भाजपा जिला महामंत्री डा.जितेन्द्र त्रिपाठी व कलेक्ट्रेट के अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना व आरती कर भण्डारे का शुभारंभ किया । शहर के पुराने बस स्टैंड हुजूरपुर रोड पर विशाल शर्मा पुत्र गोपाल शर्मा द्वारा अन्य लोगों के सहयोग से प्रति वर्ष ज्येष्ठ मास के पहले मंगलवार को भण्डारे का आयोजन किया जाता है । इस बार दसवें वर्ष भण्डारे का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर श्री त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम लोगों को धर्म के रास्ते पर चलते हुए समाज सेवा की प्रेरणा देते हैं । इस अवसर पर कार्यक्रम में सहयोग व सेवा करने वाले अमरेश चन्द्र श्रीवास्तव , आनन्द मिश्रा , नरेन्द्र सुराना , अजय श्रीवास्तव ।सुधीर सिंधी ,अनिल यादव , शिवेन्द्र मिश्रा , अमर सिंह ,जय रस्तोगी , विजय प्रताप सिंह , गनपत त्रिवेदी , गोपाल शर्मा , विजय सिंह प्रधान जी , सीमा शर्मा , मिथिलेश लोहिया , शोभा त्रिवेदी , रश्मि अग्रवाल , प्रतिभा मिश्रा , उपासना मिश्रा , आयुषी शर्मा, मंजू पाल , कल्पना श्रीवास्तव, शालिनी शर्मा आदि मौजूद रहे।

लैंगिक भेदभाव को समाप्त कर ही होगा आधी आबादी का सशक्तिकरण

बहराइच 28 मई (सं0)। विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर आज दिनांक 28 मई 2024 को फातिमा गर्ल्स इंटर कॉलेज,जरवल में किशोरियों एवं उनके अभिभावकों के साथ मोबियस फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इण्डिया द्वारा उम्मीद परियोजना के अंतर्गत "विवाह की सही उम्र एवं लैंगिक भेदभाव "पर एक चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं के साथ वाद–विवाद प्रतियोगिता,साप–सीढ़ी के खेल के माध्यम से विवाह की सही उम्र एवं लैंगिक भेदभाव पर चर्चा की गयी, साथ ही माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन पर जानकारी के साथ सनेट्री पैड का वितरण किया गया,प्रतियोगिता में विजेता छात्र–छात्राओं को प्रमाण–पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सुश्री खशबू यादव, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत जरवल ने लैंगिक भेदभाव एवं बाल विवाह को समाज में व्याप्त एक अभिशाप बताया। श्रीमती तरन्नुम, प्रिंसिपल फातिमा इंटर कॉलेज,जरवल ने कहा, हम किशोरियों को न केवल पढाई के द्वारा बल्कि अन्य शैक्षिक सत्र के द्वारा भी समय समय पर सशक्त करने का काम करते है, जिससे किशोरियों में समभाव की भावना को बढ़ाया जा सकें।

श्री प्रभात कुमार,प्रतिनिधि ा,मोबियस फाउंडेशन ने बताया कि राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार बहराइच में 37.5 फीसदी से अधिक महिलाओं की शादी 18 वर्ष से पहले यानि बाल विवाह के रूप में हो रही है। इसका प्रभाव समाज में शारीरिक,मानसिक और आर्थिक रूप से पड़ता है। जल्दी शादी होने से जल्दी बच्चा करने का दबाव होता है, और इससे माँ और बच्चे दोनों की जान का खतरा होता है । कार्यक्रम में विद्यालय की तरफ से हाई स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त कु. सुम्बुल माज एवं इंटर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कु. खुशबु यादव को पुरस्कृत कर मनोबल बढ़ाया गया, इसी क्रम में अन्य छात्राओं को भी विद्यालय में स्थान प्राप्त के अनुसार पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ कुंवर रीतेश, अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने किशोरियों को बताया की स्वास्थ्य केंद्र में किशोर–किशोरियों हेतु साथिया केंद्र संचालित है जिस पर किशोरों से सम्बन्धित स्वास्थ्य एवं अन्य मुद्दों पर परामर्श प्रदान किया जाता है, जिसके लिए काउंसलर श्री रविन्द्र चौधरी से सम्पर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपरोक्त के अतिरिक्त प्रमुख रूप से विद्यालय प्रबन्धक श्री इब्तेहसन काजमी, प्राभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती नीलम सिंह,सहायक खण्ड विकास अधिकारी श्री राजेश सिंह,मु. अनस,अमन विश्वकर्मा,अंजू श्रीवास्तव,मालती देवी,शाहीन बेगम,अंशू सिंह, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इण्डिया से अभिषेक पाठक ने कार्यक्रम का संचालन किया, बलबीर सिंह, सुश्री दीप्ति मिश्रा, राजीव मिश्रा, अवधेश,बिंदु, शिव बहादुर के साथ साथ 250 छात्र–छात्राओं ने कार्यक्रम के प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी ने जनपद वासियों का व्यक्त किया आभार

अम्बेडकरनगर 28 मई (सं0)। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद वासियों को लोकसभा सामान्य निर्वाचन– 2024 मे दिए गए सहयोग के लिए सभी का आभार प्रकट किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद अंबेडकर नगर में 25 मई, 2024 के मतदान में जहां 116 वर्ष की वृद्ध माताजी ने अदम्य उत्साह के साथ मतदान में प्रतिभा किया। वहीं नारी शक्ति, वृद्ध मतदाता, दिव्यांग मतदाता एवं युवा मतदाताओं में भी एक अलग उत्साह दिखाई दिया और सभी ने इस चुनाव को पर्व के रूप में लिया। 'आप सभी के इसी उत्साह एवं सराहनीय प्रयास के कारण देश के छठे चरण के चुनाव में लोकसभा क्षेत्र 55–अंबेडकर नगर उत्तर प्रदेश में मतदान प्रतिशत में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इसके लिए जिला प्रशासन आप सभी का आभारी है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विगत कई माह से लगातार जनपद में अनेक कार्यक्रम कराए गए। उन कार्यक्रमों में भी आप सभी ने बड़े उत्साह से प्रतिभाग किया और मतदाता जागरूकता अभियान में अपना सक्रिय योगदान दिया।

जिलाधिकारी ने समस्त इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के सम्मानित पत्रकार बंधुओ द्वारा निर्वाचन के दौरान अपना भरपूर सहयोग देने एवं समय–समय पर सभी सूचनाओं को आम जनता तक पहुंचाने तथा मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु कराए गए कार्यक्रमों की कवरेज कर उसे आमजन तक पहुंचने में सहयोग के लिए सभी का आभार प्रकट किया है। 4 जून, 2024 को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में मतगणना के लिए समस्त तैयारी पूरी कर ली गई हैं। ''आप सभी से हमारा विनम्र आग्रह है कि भीषण गर्मी को देखते हुए आप सभी अपने घरों में रहे तथा मतगणना की अपडेट विभिन्न संचार माध्यमों यथा मीडिया, सोशल मीडिया, टेलीविजन आदि के माध्यम से लेते रहे ,जिससे हीट स्ट्रोक आदि से सुरक्षित रहे तथा कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

जनपद अंबेडकर नगर अनवरत विकास के पथ पर अग्रसर है जिसमें आप सभी का अमूल्य सहयोग मिलता रहा है, सभी सम्मानित नागरिकों से आशा एवं अपेक्षा है कि जनपद में विकास हेतु संकल्पित जिला प्रशासन को इसी प्रकार अपना अमूल्य सहयोग देते रहे तथा विकास कार्यों में सहभागी बने।

मालीपुर थानाध्यक्ष ने किया मामले का पटाक्षेप

अम्बेडकरनगर 28 मई (सं0)। जहां एक तरफ अंबेडकर नगर के ईमानदार व कर्मठी पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ का सराहना पूरे जिले में किया जाता है ,वही मामला मालीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत उमरन सैरपुर का है, जहां रेनु कुमारी ने अपना प्रार्थना पत्र थानाध्यक्ष मालीपुर को सौंपा, मालीपुर थाना के अंतर्गत आने वाला ग्राम सभा सैरपुर उमरन की निवासी रेनु कुमारी अपनी बेटी के साथ घर पर सो रही थी, 21 तारीख को रात में उसके ही ननद का लड़का उसे खेत में उठा ले गया,जहां पर नाबालिक लड़की द्वारा चीख पुकार मचाने पर वह छोड़कर भाग गया तथा यह कहते हुए गया कि, अगर किसी को यह बात बताओगी तो तुम्हें ,तुम्हारे पूरे परिवार को मार देंगे। दूसरे दिन प्राथिनी अपना प्रार्थना पत्र ले करके मालीपुर थाना पर गई जहां थानाध्यक्ष व इनके दो सिपाही बृजेश यादव व विशाल पटेल द्वारा जबरदस्ती सुलह , समझौता करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया गया।जबकि दोनों पक्ष द्वारा थाना मालीपुर में दिए गए शिकायती पत्र 22मई को दिया गया जिसपर तत्परता दिखाते हुए शिवागी त्रिपाठी ने आरोपी के ऊपर आबकारी एक्ट 60 का मुकदमा तथा दोनों पक्षों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है। मालीपुर थानाध्यक्ष द्वारा बताया गया की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी पीड़ित को न्याय मिलेगा।

भारतीय किसान यूनियन 25 सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट सौंपा

अयोध्या 28 मई (सं0)। भारतीय किसान यूनियन जनपद अयोध्या द्वारा किसानों मजदूरों की समस्याओं के समाधान हेतु जिलाधिकारी महोदय को संबोधित 25 सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार मिश्र को सौंप कर समस्या समाधान करने की मांग की गई तथा चेतावनी भी दी गई कि यदि 5 जून तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 6 जून 2024 को अधिशासी अभियंता नलकूप के कार्यालय के समक्ष किसान महापंचायत की जाएगी।

उक्त जानकारी देते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण जनपद के अधिकारी मतलब से अधिक चुनाव के नाम पर व्यस्त हो गए और किसानों मजदूरों की समस्याओं का समाधान करने करना बंद कर दिए जिसके कारण जनपद का किसान व मजदूर काफी परेशान है, भाकियू जिलाधिकारी अयोध्या को 25 समस्याओं का ज्ञापन सौंपकर समस्या समाधान की मांग करता है तथा समस्या समाधान न होने की दशा में 6 जून 2024 को अधिशासी अभियंता नलकूप के कार्यालय के समक्ष परिसर में किसान महापंचायत करने का ऐलान किया है ,राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि जब तक किसानो की एक– एक समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता तब तक किसान महापंचायत चलती रहेगी।ज्ञापन देने वालों में घनश्याम वर्मा राष्ट्रीय सचिव के अलावा जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य, प्रदेश महासचिव अभय राज ब्रह्मचारी, देवी प्रसाद वर्मा, भागीरथी वर्मा शामिल रहे।

पेयजल संकट से जूझ रहे कछार में बसे लोग

रुदौली अयोध्या 28 मई (सं0)। गोमती व कल्याणी नदी के कछार में बसे मवई ब्लॉक के दर्जनों गांवों में जलस्तर घटने से पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। जलस्तर घटने से लोगों के घरों में लगे हैंडपंप जवाब दे रहे हैं।जिन गांब के आसपास सरकारी इंडिया मार्का हैंडपंप लगा है।सिर्फ उन्हीं को शुद्ध पेयजल नसीब हो रहा है। ब्लॉक क्षेत्र के अमौनी, रामपुर जनक, कसारी, सुनवा,रेछ, हरिचनपुर, उमापुर व नौगवाडीह सहित दर्जनों गांवों में जलस्तर घटने से हैंडपंप व नलकूप के हलक सूख गए हैं।उमापुर के सच्चिदानंद दास,बाबू पुरवा के आलोक सिंह बताते हैं कि गोमती व कल्याणी नदी के कछार में बसे इन गांवों में पहले से जलस्तर काफी नीचे हैं।यहां हैंडपंप व नलकूप लगवाने के लिये समय लगभग 180 फिट गहरी बोरिंग करानी पड़ती है जो लोग इससे कम बोरिंग कराते हैं। मल्लाहन पुरवा निवासी डब्बूलाला हरिचनपुर निवासी व मवई के पूर्व ब्लॉक प्रमुख महंत अशोक दास कहते हैं कि तीन दशक सिंचाई विभाग द्वारा किसानों को बेहतर सिंचाई की सुविधा मुहैया कराने के लिए गोमती नदी और कल्याणी नदी में नौरोज पुर में पंप कैनाल की स्थापना कराई थी।जो कुछ दिन तो ठीक–ठाक चला,लेकिन नदी की धारा दूर जाने व जलस्तर घटने से दोनो पंप कैनाल बंद हो गए।

दोनों ड्राइवरों ने रची थी हत्या की साजिश, पुलिस ने मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

लखनऊ 28 मई (सं0)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर में रिटायर्ड आईएएस देवेंद्रनाथ दुबे की पत्नी के हत्यारों को पुलिस ने दबोच लिया है। दो हत्यारे नीले रंग की स्कूटी से भागते हुए सीसीटीवी में कैद हो गए थे। राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर सेक्टर 20 में रिटायर्ड आईएएस देवेंद्रनाथ दुबे की पत्नी मोहिनी की हत्या के आरोपी तीन बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से एक गोली लगने से घायल हुआ है। पुलिस के अनुसार, ड्राइवर रवि व अखिलेश ने वारदात की साजिश रची थी। इसमें इनका एक साथी रंजीत भी शामिल था। वारदात को रवि व रंजीत ने अंजाम दिया था ।

वीर सावरकर की 141वीं जयन्ती पर हिन्दू महासभा ने किया नमन

अयोध्या 28 मई (सं0)। वीर विनायक दामोदर सावरकर शक्ति के ऐसे पुंज क्रांति के नक्षत्र का चिरंतर ज्योतिपुंज के रूप में प्रतिष्ठित हैं जिनसे एक असीम ऊर्जा ग्रहण कर बिना विचलित हुए हर हिन्दुत्ववादी अपने कर्तव्य पथ पर निरन्तर अग्रसर था है, और हमेशा रहेगा। उक्त बातें हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रक्ता अधिक्ता मनीष पाण्डेय ने वीर सावरकर की 141वीं जयन्ती के अवसर पर पुष्पराज चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कही, उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष हिंदू महासभा महंत राम लोचन शरण शास्त्री राजन बाबा ने कहा कि असाधारण योद्धा, महान साहित्यकार, वक्ता, विद्वान, लेखक समाज सुधारक और एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में प्रतिष्ठित है, अधिक्ता शिवम पांडेय ने कहा कि युवाओं से उनकी प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। अधिक्ता आदर्श मिश्रा ने कहा कि सावरकर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं, नए भारत के निर्माण में सहायक हैं,माल्यार्पण करते हुए सभी वक्ताओं द्वारा सावरकर को भारत रत्न प्रदान करते हुए, अधिकाधिक, संवैधानिक रूप से सावरकर को राष्ट्रपिता की उपाधि प्रदान किए जाने की मांग केंद्र सरकार से की गई, जयन्ती कार्यक्रम में प्रमुख रूप महान्त राम लोचन शरण शास्त्री राजन बाबा, अधिक्ता आदर्श मिश्रा ,अधिक्ता अजेंद्र पांडेय, अधिक्ता अशेद्र पांडेय , अधिक्ता अतुल पाठक, अधिक्ता शिवम पांडेय, अधिक्ता शशांक पांडेय, हीरामणि पांडेय मौजूद रहे।

पंजाब में आप–कांग्रेस का फ्रेंडली मैच वाला दांव कहीं उल्टा न पड़ जाए, 27 साल में पहली बार अकेले क्या दिखेगा कमल का कमाल?

चण्डीगढ़ 28 मई (एजेन्सी)। पंजाब में 2024 के लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में 1 जून को मतदान होगा। राज्य में 1989 के बाद पहली बार चार कोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पड़ोसी दिल्ली में सहयोगी हैं, लेकिन यहां एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। 2022 विधानसभा प्रदर्शन के आधार पर आप को लोकसभा में अपनी स्थिति में सुधार की उम्मीद है। पार्टी का मानना घ्है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से पार्टी के प्रति सहानुभूति पैदा हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए कांग्रेस को राज्य में 2019 में अपनी सीटें बरकरार रखने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल भी अलग–अलग चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि बादल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की घरवापसी करके किसानों के गुस्से का सामना करने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे। भगवा पार्टी सिख नेताओं को शामिल करके अपने वोट आधार में विविधता लाने और अपनी हिंदू पार्टी की छवि को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

आप ने 2014 के लोकसभा चुनावों में शानदार शुरुआत की, 24 प्रतिशत वोट हासिल किए और शिअद और कांग्रेस के मुकाबले चार सीटें अपने नाम की। भाजपा के हिस्से 2 सीटें आई जबकि उस चुनाव में उसकी सहयोगी अकाली दल ने चार और कांग्रेस ने तीन सीटें जीतीं। 2019 के आम चुनावों में आप का वोट शेयर घटकर सात प्रतिशत हो गया और कांग्रेस 40 प्रतिशत वोट शेयर और आठ सीटें हासिल करके केंद्र विरोधी राजनीति की लाभार्थी बनकर उभरी। आम आदमी पार्टी सिर्फ एक सीट पर सिमट कर रह गई. भाजपा और अकाली दल ने दो–दो सीटें जीतीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में आप ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करते हुए राज्य में परचम लहराया। आप ने 42 प्रतिशत वोट शेयर दर्ज किया। सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या वह राष्ट्रीय चुनावों में अपना वोट शेयर बरकरार रख पाएगी। पार्टी को उम्मीद है कि अरविंद केजरीवाल के जेल जाने से आम आदमी पार्टी के प्रति सहानुभूति है और राज्य में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में आप ने कांग्रेस को सत्ता से हटा दिया। फिलहाल वे पंजाब में प्रमुख दावेदार हैं। कांग्रेस और आप ने पंजाब में गठबंधन नहीं किया। भारतीय गुट के रणनीतिकारों का मानना घ्है कि इससे शिरोमणि अकाली दल को विपक्ष का स्थान मिल जाएगा और उनके पुनरुद्धार में मदद मिलेगी। इंडिया ब्लॉक की दोनों पार्टियां सभी 13 सीटों पर आमने सामने होगी। स्थानीय इकाइयाँ एक–दूसरे के खिलाफ खड़ी हैं और इससे मतदाताओं के एक वर्ग के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 मई को पंजाब के पटियाला में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए इस विरोधाभास को उजागर किया। पीएम मोदी ने कहा कि पंजाब में दिल्ली की श्कट्टरश भ्रष्ट पार्टी और सिख दंगों की दोषी पार्टी एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने का नाटक कर रहे हैं। लेकिन सच तो यह है कि श्पंजाश और श्झाड़ूश दो पार्टियां हैं, लेकिन दोनों की दुकान एक ही है। शिअद 2015 की बेअदबी घटना के बाद अपना खोया हुआ सिख वोट आधार वापस पाने का प्रयास कर रहा है और उसने पंथिक (सिख धार्मिक) एजेंडे के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि की है। दूसरी ओर, भाजपा कांग्रेस पार्टी और आप दोनों के सिख नेताओं के साथ–साथ बुद्धिजीवियों को शामिल करने की होड़ में है। चार कोणिय मुकाबले का मतलब है कि कोई पार्टी 30–35 फीसदी वोट शेयर के साथ भी उम्मीद जगा सकती है। आप और कांग्रेस – दोनों भाजपा विरोधी राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं – में से किसे अधिक सीटें मिलेंगी यह उम्मीदवारों की गुणवत्ता और जीतने की क्षमता पर निर्भर करेगा।

पटना के ला कालेज में छात्र की पीट-पीटकर हत्या, भड़का आक्रोश, आरजेडी बोली- बिहार में चल रहा गुंडा राज

पटना 28 मई (एजेन्सी)। पटना के बीएन कॉलेज के स्नातक अंतिम वर्ष के 22 वर्षीय छात्र की पटना लॉ कॉलेज परिसर में नकाबपोश बदमाशों ने पीट–पीटकर हत्या कर दी। यह घटना दोपहर करीब 1 बजे हुई जब छात्र, जिसकी पहचान वैशाली जिले के निवासी हर्ष राज के रूप में हुई, अंतिम वर्ष की परीक्षा देने के बाद पटना लॉ कॉलेज के परीक्षा हॉल से बाहर आया। उन्हें तुरंत पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।घटना के तुरंत बाद, पटना सिटी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दशरथ आर एस के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हर्ष राज पर 7–8 अपराधियों ने बेरहमी से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के तुरंत बाद, पटना सिटी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दशरथ आर एस के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हर्ष राज पर 7–8 अपराधियों ने बेरहमी से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। उन्हें जल्द ही अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। हम अपराध के सीसीटीवी फुटेज को स्कैन कर रहे हैं और अन्य सबूत एकत्र किए जा रहे हैं। हमलावरों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। छात्र हर्ष राज की हत्या के बाद पटना में आक्रोश भड़क गया है। कारगिल चौक पर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। हंगामा करने वालो छात्रों को पुलिस ने खदेड़ा है। वहीं, पुलिस ने मुख्य आरोपी चंदन यादव को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी (पूर्व) भरत सोनी ने कहा कि हर्ष राज, बी.एन. तृतीय वर्ष का छात्र। वोकेशनल इंग्लिश कोर्स की पढ़ाई कर रहा कॉलेज सुल्तानगंज लॉ कॉलेज में परीक्षा देने आया था. ..नकाब पहने 10–15 लड़कों ने उसे मारना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि हर्ष राज को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। हम रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफएसएल टीम, डॉग स्क्वायड टीम और तकनीकी टीम मौके पर पहुंच गई है... साक्ष्यों के आधार पर उचित जांच की जाएगी। घटना पर राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।